केन्द्रीय विद्यालय संगठन
हैदराबाद संभाग
वस्तुपरक प्रश्नों का महाकोश

कक्षा-12वीं विषय→हिंदी

सत्र-2021-22

प्रधान संरक्षक

श्री के.शशीन्द्रन, उपायुक्त केविसं. हैदराबाद संभाग

संरक्षक

डॉ.(श्रीमती) वी.गौरी, स.आयुक्त, हैदराबाद संभाग

समन्वयक

1. श्रीमती डी.वी.संध्या, प्राचार्या केवि. शिवरामपल्ली
2. श्री रणरंजय सिंह, प्रभारी प्राचार्य केवि. सिर्सिल्ला

प्रश्नकोश निर्मात्री समिति

1. श्रीमती अपर्णा, केवि.गोलकुण्डा-2
2. श्रीमती सुजाता चौकिया, केवि.शिवरामपल्ली
3. श्री जयशंकर प्रसाद, केवि.विजयनगरम्
4. सुश्री रंजना धनवार , केवि.एनएडी.विशाखापट्टनम्
5. श्री बिनोद कुमार चौधरी, केवि.1 वा.से.अकादमी
6. अनुराग सिंह, केवि.पिकेट सिकंदराबाद
7. श्री राजू प्रकाशराव डूबेवार, केवि.बोवेनपल्ली
8. श्री दिनेश कुमार यादव, केवि.एनएफसी.घटकेसर
9. श्री नवनीत कुमार, केवि.2 वायुसेना अकादमी
10. श्री कृष्णकमलेश मिश्रा, केवि. ओंगोल
11. श्री के.डी.चारण, केवि.करीमनगर
12. श्री धर्म नारायण, केवि.कड़पा

अनुक्रमणिका

- प्रश्न पत्र का प्रारूप एवं अंक योजना

1. अपठित गद्यांश (10)
2. अपठित काव्यांश (5)
3. अभिव्यक्ति और माध्यम (5)
   01. विभिन्न माध्यमों के लिए लेखन
   02. पत्रकारीय लेखन के विभिन्न रूप और लेखन प्रक्रिया
4. आरोह भाग-2 काव्य खंड→
   1-काव्यांश-आधारित (5) 2-पाठाधारित (2/3)
   01. एकगीत
   02. कविता के बहाने
   03. कैमरे में बंद अपाहिज
   04. सहर्ष स्वीकारा है
5. आरोह भाग-2 गद्य खंड→
   1-अनुच्छेद-आधारित (5) 2-पाठाधारित (2/3)
   01. भक्तिन
   02. बाज़ार दर्शन
   03. काले मेघा पानी दे
6. वितान भाग-2 (5)
   01. सिल्वर वैडिंग
   02. जूझ

कक्षा 12वीं हिंदी 'आधार' परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम विनिर्देशन 2021-2022 (कोड सं. 302) प्रथम सत्र

परीक्षा भार विभाजन				
	विषयवस्तु		उपभार	कुलभार
1	अपठित गद्यांश (चिंतन क्षमता एवं अभिव्यक्ति कौशल पर बहुविकल्पात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे)		15	
	अ	दो अपठित गद्यांशों में से कोई एक गद्यांश करना होगा। (450-500 शब्दों के) (1 अंक x 10 प्रश्न)	10	10
	ब	दो अपठित पद्यांशों में से कोई एक पद्यांश करना होगा। (250-250 शब्दों के) (1 अंक x 5 प्रश्न)	05	05
2	कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन ('अभिव्यक्ति और माध्यम' पुस्तक के आधार पर)		05	
	अ	अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक से बहुविकल्पात्मक प्रश्न (1 अंक x5 प्रश्न)	05	05
3	पाठ्यपुस्तक आरोह भाग – 2 से बहुविकल्पात्मक प्रश्न		15	
	अ	पठित काव्यांश पर पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक x 05 प्रश्न)	05	
	ब	पठित गद्यांश पर पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न। (1 अंक x 05 प्रश्न)	05	
	स	पठित पाठों पर पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न। (1 अंक x 05 प्रश्न)	05	
4	अनुपूरक पाठ्यपुस्तक वितान भाग-2 से बहुविकल्पात्मक प्रश्न		05	
	अ	पठित पाठों पर पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न। (1 अंक x 05 प्रश्न)	05	
5	आंतरिक मूल्यांकन			10
		श्रवण तथा वाचन	10	
कुल अंक				50

सत्र-1 2021-22 में निम्नलिखित पाठ सम्मिलित किए गए हैं –

पाठ्यपुस्तक - आरोह भाग – 2

काव्य खंड	गद्य खंड
1. हरिवंश राय बच्चन - एक गीत	1. महादेवी वर्मा - भक्तिन
2. कुँवर नारायण - कविता के बहाने	1. जैनेन्द्र कुमार - बाज़ार दर्शन
2. रघुवीर सहाय - कैमरे में बंद अपाहिज	1. धर्मवीर भारती - काले मेघा पानी दे
2. गजानन माधव मुक्तिबोध - सहर्ष स्वीकारा है	
अभिव्यक्ति और माध्यम	**अनुपूरक पाठ्यपुस्तक - वितान भाग – 2**
विभिन्न माध्यमों के लिए लेखन	मनोहर श्याम जोशी - सिल्वर वैडिंग
पत्रकारीय लेखन के विभिन्न रूप और लेखन प्रक्रिया	आनंद यादव - जूझ

अपठित गद्यांश-1

मनुष्य का जीवन वास्तव में सुख-दुख, आशा निराशा,उत्थान पतन , आदि का मिश्रण है जीवन एक निरंतर चलने वाले संघर्ष का नाम है । जीवन की गति अविरल है। समय के साथ साथ आगे बढ़ते रहने की प्रबल माननीय लालसा ही जीवन है। जीवन में अनेक ऊँचे नीचे रास्ते एवं अनेक बाधाएँ आती रहती हैं इन्हीं बाधाओं से संघर्ष करते हुए जीवन आगे बढ़ता रहता है। यही कर्म है और यही सत्य है ।जीवन में आने वाली बाधाओं से घबराकर रुक जाने वाला या पीछे हट जाने वाला व्यक्ति कभी भी सफलता प्राप्त नहीं कर सकता। निरंतर उत्साह ,उमंग ,विश्वास ,प्रेम एवं साहस के साथ जीवन को जीना ही जीवन का सार है। जीवन सत्य है जबकि स्वप्न असत्य । स्वप्न काल्पनिक हैं एवं जाग्रत अवस्था वास्तविक हैं ।स्वप्न का महत्व केवल वहीं तक है जहाँ तक वह मनुष्य के जीवन को आगे बढ़ाने में प्रेरक होता है । मनुष्य स्वप्न के माध्यम से ही ऐसी कल्पना करता है जो अवास्तविक होती हैं लेकिन उस काल्पनिक लोक को वह अपने परिश्रम , उमंग एवं दृढ़ इच्छाशक्ति से यथार्थ एवं वास्तविकता में परिवर्तित कर देता है तत्कालिक घटनाओं में कई ऐसे उदाहरण शामिल हैं जिसमें हम भारतीयों को संघर्ष करने के बाद सफलता मिली जिनमें से एक है हाल ही में संपन्न हुए टोक्यो ओलंपिक में भारतीय खिलाड़ियों द्वारा सात मैडलों की उपलब्धि । वास्तविक जीवन एक कर्तव्य है जिसके मार्ग में अनेक फूल बिखरे पड़े हैं लेकिन मनुष्य की इच्छा शक्ति एवं दृढ़ संकल्प उन बाधाओं और कांटो की परवाह नहीं करता और उन्हें रौंद कर आगे निकल जाता है । जीवन संघर्ष की लंबी साधना है यह संघर्ष तब तक बना रहता है जब तक मनुष्य के शरीर में सांस चलती रहती है । आदिम अवस्था में अंधकार में गुफा में निवास करने वाला मनुष्य जीवन के संघर्ष के मार्ग से गुजर कर ही सभ्यता के ऊंचे दुर्गों का निर्माण कर सकता है संघर्ष के मार्ग में ही हमें जीत की ऊंची चोटियाँ मिलती हैं । प्रकृति एवं प्रतिकूल परिस्थितियों से संघर्ष करते हुए ही मनुष्य ने समाज एवं परिवार के विकास की लंबी गाथाएँ लिखी । मनुष्य जीवन का सबसे महान आदर्श है अंधकार से प्रकाश की ओर चलना एवं अज्ञान के भय और आशंका के अंधकार से ज्ञान की ओर तथा मृत्यु से अमरता की ओर बढ़ना । इस प्रक्रिया में उसे निरंतर संघर्ष से गुजरना पड़ता है संघर्ष है इसलिए गति है और गति है तो जीवन है।

1. **अपने जीवन में लक्ष्य की प्राप्ति हेतु क्या होना आवश्यक नहीं है ?**[1]
   - **क. इच्छा शक्ति**
   - **ख. परिश्रम**
   - **ग. उमंग**
   - **घ. मात्र कल्पना**
2. **निम्नलिखित में से किस प्रतीक का प्रयोग संघर्ष के लिए नहीं किया जाता ?**[2]
   - **क. आग से गुजरना**
   - **ख. कांटों पर चलना**
   - **ग. पिता की उँगली पकड़ना**
   - **घ. पहाड़ पर चढ़ना**
3. **स्वप्न को हकीकत में बदलने की घटना में कौन सा तात्कालिक उदाहरण शामिल है?**[3]
   - **क. महंगाई से मुक्त होना**
   - **ख. कोरोना के प्रतिरोध हेतु वैक्सीन का निर्माण**
   - **ग. ओलंपिक में 7 मेडल जीतना**
   - **घ. ऑनलाइन शिक्षा**
4. **निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है ?**[4]
   - **क. जीवन सत्य है**
   - **ख. संघर्ष है इसलिए गति है**
   - **ग. जीवन निरंतर चलने वाले संघर्ष का नाम है**
   - **घ. वास्तविक जीवन एक अधिकार है**

---

[1] घ [2] ग [3] क [4] घ

5. **कथन व कारण को पहचानकर सही उत्तर चुनिए→**[1]
कथन→ "यदि हमारे जीवन में कोई बाधा आती है तो हमें उसका सामना संघर्ष से करना चाहिए।"
कारण→ संघर्ष से सामना करने पर प्रत्येक बाधा दूर हो जाती है।
   क. कथन गलत है
   ख. कारण गलत है
   ग. कथन सही है और कारण उसकी सही व्याख्या करता है।
   घ. कथन तथा कारण दोनों गलत हैं।
6. **मानव जीवन में संघर्ष कब तक बना रहता है?**[2]
   क. जब तक उसकी सांस चलती है।
   ख. जब तक वह युवा होता है।
   ग. जब तक उसे किसी के साथ नहीं मिलता।
   घ. इनमें से कोई नहीं।
7. **स्वप्न का क्या महत्व होता है?**[3]
   क. हमें कल्पना करना सिखाते हैं।
   ख. हमारे लिए रंगीन फेंटेसी का निर्माण करते हैं।
   ग. जीवन को आगे ले जाने में प्रेरक बनते हैं।
   घ. हमें कड़वी हकीकत से दूर ले जाते हैं।
8. **आप अपने सपनों को हकीकत में बदलने के लिए निम्नलिखित में से क्या नहीं करना चाहेंगे?**[4]
   क. समय का नियोजन
   ख. शिक्षकों द्वारा मार्गदर्शन
   ग. लगन एवं समर्पण
   घ. हृदय में चंचलता
9. **आदिम युग के मनुष्य द्वारा किए गए संघर्ष में क्या शामिल है ?**[5]
   क. आग की खोज
   ख. पहिए की खोज
   ग. उपर्युक्त 1 तथा 2
   घ. कंप्यूटर का निर्माण
10. **उपयुक्त गद्यांश का शीर्षक क्या हो सकता है ?**[6]
   क. भविष्य की चिंता
   ख. संघर्ष का सामना
   ग. सच्चा सुख
   घ. मातृभूमि प्रेम

गद्यांश-2

विज्ञान आज के मानव जीवन का अविभाज्य एवं घनिष्ठ अंग बन गया है मानव जीवन का कोई भी क्षेत्र विज्ञान के अभूतपूर्व आविष्कारों से अछूता नहीं रहा । इसी से आधुनिक युग विज्ञान का युग कहलाता है आज विज्ञान ने पुरुष और नारी , साहित्यकार और राजनीतिज्ञ , उद्योगपति और कृषक, पूंजीपति और श्रमिक, चिकित्सक और सैनिक , अभियंता और शिक्षक तथा धर्मज्ञ और तत्वज्ञान सभी को और सभी क्षेत्रों में किसी न किसी रूप में अपने अप्रतिम प्रदेय से अनुगृहीत किया है आज समूचा परिवेश विज्ञानमय हो गया है। विज्ञान के चरण गृहणी के रसोईघर से लेकर बड़ी-बड़ी प्राचीरों वाले भवनों और अटालिकाओं में ही दृष्टिगत नहीं होते बल्कि वे स्थल और जल की सीमाओं को लांघ कर अंतरिक्ष में भी गतिशील हैं । वस्तुतः विज्ञान अद्यतन मानव की सबसे बड़ी शक्ति बन गया है इस के बल से मनुष्य प्रकृति

[1] ग
[2] क
[3] ग
[4] घ
[5] ग
[6] ख

और प्राणी जगत का शिरोमणि बन सका है विज्ञान के अनुग्रह से वह सभी प्रकार की सुविधाओं और संपदाओं का स्वामित्व प्राप्त कर चुका है। अब वह छह ऋतु के प्रकोप से भयभीत नहीं है विद्युत ने उसे आलोकित किया है उष्णता और शीतलता दी है बटन दबाकर किसी भी कार्य को संपन्न करने की ताकत भी दी है । मनोरंजन के विभिन्न साधन उसे उपलब्ध है ,यातायात एवं संचार के साधनों के विकास से समय और स्थान की दूरियां बहुत कम हो गई हैं और समूचा विश्व एक परिवार सा लगने लगा है । कृषि और उद्योग के क्षेत्र में उत्पादन की तीव्र वृद्धि होने के कारण आज दुनिया पहले से अधिक धन-धान्य से संपन्न है शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में विज्ञान की देन अभिनंदनीय है विज्ञान के सहयोग से मनुष्य धरती और समुद्र के अनेक रहस्य उजागर करके अब अंतरिक्ष लोक में प्रवेश कर चुका है। सर्वोपरि विज्ञान ने मनुष्य को बौद्धिक विकास प्रदान किया है और वैज्ञानिक चिंतन पद्धति दी है वैज्ञानिक चिंतन पद्धति से मनुष्य अंधविश्वासों और रूढि- परंपराओं से मुक्त होकर स्वस्थ एवं संतुलित ढंग से सोच विचार कर सकता है और यथार्थ और सम्यक जीवन जी सकता है । इससे मनुष्य के मन को युगों के अंधविश्वासों ,भ्रम पूर्ण और दकियानूसी विचारों,भय और अज्ञानता से मुक्ति मिली है । विज्ञान की यह देन महान है हालांकि विज्ञान के कुछ नकारात्मक पहलू पर सामने आए हैं चीन द्वारा कोरोना को जन्म देना, उत्तर कोरिया के तानाशाह द्वारा बार-बार परमाणु बम गिराने की धमकी देना , तालिबानियों द्वारा अपनाए जाने वाले हथियारों से अफगानिस्तान पर कब्जा करना क्या यही दिन दिखाने के लिए विज्ञान का जन्म हुआ। मानव को चाहिए कि वो विज्ञान की इस समग्र देन को रचनात्मक कार्यों में सुनियोजित करें ना कि विध्वंसात्मक कार्यों में।

11. **कथन → आज विज्ञान को मनुष्य के जीवन का अभिन्न अंग माना जाता है।**[1]
    कारण→ मानव जीवन का कोई भी क्षेत्र विज्ञान के आविष्कारों से अछूता नहीं रहा।
    - **क. कथन असत्य है**
    - **ख. कारण सत्य है**
    - **ग. कथन सत्य है तथा कारण उसकी सही व्याख्या करता है।**
    - **घ. कथन सत्य है परंतु कारण उसकी सही व्याख्या नहीं करता।**
12. **कथन →तालिबानियों द्वारा अफगानिस्तान पर कब्जा विज्ञान का सकारात्मक पहलू है।**[2]
    कारण → विज्ञान का विध्वंसात्मक रूप कभी नहीं देखा गया।
    - **क. कथन सत्य है।**
    - **ख. करण सत्य है।**
    - **ग. कथन सत्य है तथा कारण उसकी सही व्याख्या करता है।**
    - **घ. कथन तथा दोनों असत्य हैं।**
13. **विज्ञान के चरण गतिशील क्यों कहे जा सकते हैं?**[3]
    - **क. विज्ञान की तीव्र गति के कारण**
    - **ख. यातायात के साधन आविष्कृत करने के कारण**
    - **ग. विज्ञान के उत्तरोत्तर विभिन्न दिशाओं में उन्मुख होने के कारण**
    - **घ. प्रगतिशील विचारधारा के कारण**
14. **आज के युग में विज्ञान ना होता तो क्या होता?**[4]
    - **क. हम अँधेरे में जीते।**
    - **ख. हम आज भी कच्चा मांस या फल फूल खा रहे होते।**
    - **ग. हम तीव्र यात्राएँ नहीं कर सकते।**
    - **घ. सभी कथन सत्य हैं।**
15. **समूचा विश्व एक परिवार के समान लगने का क्या कारण है?**[5]
    - **क. विज्ञान की गतिशील शक्ति**
    - **ख. विज्ञान और जीवन में घनिष्ठता**
    - **ग. यातायात एवं संचार के साधनों का विकास**

---

[1] ग
[2] घ
[3] ग
[4] घ
[5] ग

घ. विश्व बंधुत्व की भावना का विकास

16. किसी भी देश को विज्ञान का प्रयोग इनमें से किस क्षेत्र में नहीं करना चाहिए?[1]
    क. सभ्य देश पर आक्रमण
    ख. शिक्षा
    ग. चिकित्सा
    घ. शत्रु देश से सुरक्षा
17. विज्ञान के सहयोग से मनुष्य ने कहां प्रवेश कर लिया है ?[2]
    क. मनुष्य के हृदय में
    ख. अंतरिक्ष में
    ग. विदेशों में
    घ. समुद्र में
18. वैज्ञानिक चिंतन पद्धति के प्रभाव से व्यक्ति कैसा जीवन जी सकता है ?[3]
    क. यथार्थ
    ख. सम्यक
    ग. 1 और 2 दोनों
    घ. बनावटी
19. इनमें से कौन सा कार्य विज्ञान की नकारात्मक देन नहीं है ?[4]
    क. जैविक हथियारों का प्रयोग
    ख. आतंकवादियों का हथियारों से लैस होना
    ग. परमाणु बम / हाइड्रोजन बम
    घ. खेतों में हरित क्रांति
20. प्रस्तुत गद्यांश किस विषय वस्तु पर आधारित है ?[5]
    क. विज्ञान का मानव जीवन पर प्रभाव
    ख. वैज्ञानिक चिंतन और मानव
    ग. विज्ञान के गतिशील चरण
    घ. विज्ञान के आविष्कार

अपठित गद्यांश-3

महिलाओं की मर्यादा और उनके दुर्व्यवहार के मामले भी अन्य मामलों की तरह न्यायालयों में ही जाते हैं किंतु पिछले कुछ समय से ऐसे आचरण के लिए स्वयं न्यायपालिका पर उंगली उठाई जा रही है ।काफी हद तक यह समस्या न्यायपालिका की नहीं, बल्कि पूरे समाज की कहीं जा सकती है। जज भी समाज की ही अंग है इसलिए यह समस्या न्यायपालिका में भी दिखाई देती है। हमारे समाज में कानून के पालन को लेकर बहुत शिथिलता है और अक्सर कानून का पालन न करने को सामाजिक हैसियत का मानक मान लिया जाता है । बी.आई.पी संस्कृति का छद्म सिद्धांत भी यह बना दिया गया है कि उसे सामान्य नियम कानून नहीं पालन करने होते, क्योंकि वह महत्वपूर्ण व्यक्ति है। छोटे शहरों, कस्बों में सरकारी अफसरों की हैसियत बहुत बड़ी होती है और जज भी उन्हीं हैसियत वाले लोगों में शामिल होते हैं ।ऐसे में ,अगर कुछ जज यह मान लें कि वे तमाम सामाजिक मर्यादाओं से ऊपर है ,तो यह हो सकता है। माना यह जाना चाहिए कि जितने ज्यादा जिम्मेदार पद पर कोई व्यक्ति है, उस पर कानून के पालन की जिम्मेदारी भी उतनी ही ज्यादा है । खासकर तौर से जिन लोगों पर कानून की रक्षा करने और कानून का पालन कराने की जिम्मेदारी है उन्हें तो इस मामले में बहुत ज्यादा सतर्क होना चाहिए लेकिन प्रायः ऐसा होता नहीं है । इस समस्या की ओर कई वरिष्ठ जज और न्यायविद् ध्यान दिला

[1] क
[2] ख
[3] ग
[4] घ
[5] ख

चुके हैं कि न्यायपालिका में निचले स्तर पर अच्छे जज नहीं मिलते । इसकी एक बड़ी वजह यह है कि अच्छे न्यायिक शिक्षा संस्थानों से न निकले अच्छे छात्र न्यायपालिका में नौकरी करना पसंद नहीं करते ,क्योंकि उन्हें कामकाज की परिस्थितियां और आमदनी दोनों ही आकर्षक नहीं लगती । नेशनल लॉ इंस्टिट्यूट को तो बनाया ही इसलिए गया है कि अच्छे स्तर के जज और वकील वहाँ से निकल सके, लेकिन देखा यह गया है कि वहां से निकले ज्यादातर छात्र कॉरपोरेट जगत में चले जाते हैं । अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों के छात्र भी बजाय जज बनने के, प्रैक्टिस करना पसंद करते हैं । जजों की चुनाव प्रक्रिया में कई खामियाँ हैं जिन्हें दूर किया जाना जरूरी है, ताकि हर स्तर पर बेहतर गुणवत्ता की जांच मिल सकें ।

प्रश्न 1 -**कथन-**जिन लोगों पर कानून की रक्षा करने और दूसरों से कानून का पालन कराने की जिम्मेदारी है, उन्हें ज्यादा सतर्क होना चाहिए ।[1]

उपरोक्त कथन के अनुसार निम्नलिखित में से कौन सा निष्कर्ष सही है ।

क) उन पर कानून की रक्षा का दायित्व है

ख) उन्हें समाज के सामने आदर्श प्रस्तुत करना है

ग) वे कानून का पालन न करने वालों को दण्डित करते हैं

घ) उपयुक्त सभी

प्रश्न 2 - वी.आई. पी. का पूरा नाम क्या है ?[2]

क) वैरी इम्पोर्टेन्ट पर्सन

ख) वैरी इंटैलीजेंट पर्सन

ग) वैरी एलीजेबल पर्सन

घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 3 -**कथन-** कानून का पालन न करने को सामाजिक हैसियत का मानक मान लिया जाता है । वी.आई.पी. संस्कृति का छद्म सिद्धांत ही यह बन गया है ।[3]

उपरोक्त कथन के आधार पर निम्नलिखित में से कौन सा निष्कर्ष सही है ।

क) ऐसे लोगों के लिए संविधान में विशेष व्यवस्था है ।

ख) ऐसे लोगों के लिए कानून में अलग प्रावधान है ।

ग) ऐसे लोग सामान्य नियम- कानून का पालन नहीं करते हैं ।

घ) ऐसे लोग समाज के लिए आदर्श हैं।

प्रश्न 4 - ' जजों की चुनाव प्रकिया में कई खामियाँ है,जिन्हें दूर क्यों किया जाना चाहिए ?[4]

क) जिससे कानून पालन में छूट दी जा सके

ख) प्रत्येक स्तर पर अच्छे जज मिल सके

ग) कानून का पालन न करने वालो को दण्डित किया जा सके

घ) समाज के सामने आदर्श प्रस्तुत किया जा सके

प्रश्न 5- नीचे एक कथन एवं उसके दो कारण दिए गए हैं, दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए-[5]

कथन -आजकल न्यायपालिका पर उँगली उठाई जा रही है

कारण 1- कामचोरी की प्रवृत्ति के कारण

कारण 2- महिलाओं की मर्यादा व उनसे दुर्व्यवहार के कारण

---

[1] क
[2] क
[3] ग
[4] ख
[5] ख

क) कारण 1 सही है

ख) कारण 2 सही है

ग) दोनों कारण सही है

घ) दोनों कारण गलत है

प्रश्न 6-अच्छे स्तर के जज और वकील प्राप्त करने के लिए किस इंस्टिट्यूट की स्थापना की गई है ?[1]

क) नेशनल क्राइम इंस्टिट्यूट

ख) नेशनल लॉ इंस्टिट्यूट

ग) पर्सनल लॉ बोर्ड इंस्टिट्यूट

घ) स्टेट लॉ बोर्ड इंस्टिट्यूट

प्रश्न 7- **कथन-** नेशनल लॉ इंस्टिट्यूट के अच्छे छात्र अधिकांश कार्पोरेट जगत में जाना पसंद करते है-[2]

उपरोक्त कथन के आधार पर निम्नलिखित में से कौन सा निष्कर्ष सही है।

क) क्योंकि उन्हें समाज के सामने आदर्श प्रस्तुत करना होता है।

ख) क्योंकि उन पर कानून की रक्षा करने की जिम्मेदारी ज्यादा है।

ग) क्योंकि न्यायपालिका में कामकाज की कामकाज की परिस्थितियां और आमदनी दोनों ही उन्हें आकर्षक नहीं लगती ।

घ) कामचोरी की प्रवृत्ति के कारण

प्रश्न 8-हर स्तर पर बेहतर गुणवत्ता वाले जज प्राप्त करने का क्या उपाय है ?[3]

क) जजों की चुनाव प्रक्रिया में सुधार किया जाए

ख) कामकाज की परिस्थितियों में सुधार किया जाए

ग) वेतन एवं आमदनी में सुधार किया जाए

घ) उपरोक्त सभी

प्रश्न 9- वर्तमान समय में किस स्तर पर अच्छे जज नहीं मिल पा रहे हैं ?[4]

क) उच्च स्तर पर

ख) मध्यम स्तर पर

ग) निचले स्तर पर

घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

प्रश्न 10 - **कथन –** "जो व्यक्ति जितने ज्यादा जिम्मेदार पद पर होता है ,उस पर कानून के पालन की जिम्मेदारी भी उतनी ही ज्यादा होती है"।[5]

उपरोक्त कथन के आधार पर निम्नलिखित में से कौन सा निष्कर्ष उपयुक्त है।

क) ऐसे व्यक्ति वी.आई. होते है

ख) ऐसे व्यक्ति कानून का पालन न करने वालों को रोकते है

ग) ऐसे व्यक्तियों पर कानून की रक्षा करने व कानूनों का पालन करने की जिम्मेदारी सबसे अधिक होती है।

घ) इनमें से कोई नहीं

---

[1] ख

[2] ग

[3] घ

[4] ग

[5] ग

अपठित गद्यांश 4

प्रश्न 2- निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

प्रसिद्ध दार्शनिक नीत्शे एक ऐसे देवता की तलाश कर रहे थे जो मनुष्य की पहुंच में हो। उसी की तरह नाच --गा सके। जीवन से भरपूर हो । हँसे- रोए ,काम करें -कराए बिल्कुल आदमी की तरह। नीत्शे जो विवेकानंद का समकालीन था , जब उसे ऐसा देवता नहीं मिला तो उसने कह दिया, " ईश्वर मर गया है।" लगता है कि नीत्शे को कृष्ण की जानकारी नहीं थी। वे नाचते-गाते हैं, काम करते हैं और योगी भी हैं- कर्म योगी। काम करो बाकी सब भूल जाओ - यह है उनका अनासक्त कर्म। यहाँ तक कि काम के फल की इच्छा मत करो - कर्मण्येवाधिकारस्ते, मा फलेषु कदाचन। अजीब विरोधाभास है । काम करने का निराला ढंग है कि काम तो पूरे मन से करो, ईश्वर का आदेश समझकर करो पर उससे परे भी रहो! काम पूरा होते ही अनासक्त हो जाओ । यों कृष्ण जो भी करते है उसमें गजब की आसक्ति दिखाई देती है - चाहे ग्वाले का काम हो ; रसिक बिहारी का हो ; सारथी का हो; उपदेष्टा या मार्गदर्शक का ; वे पूरे मनोयोग से अपनी भूमिका निभाते दिखाई पड़ते हैं और अगले ही क्षण उससे अलग । जैसे कमल- पत्ते पर पड़ा पानी। जीवन का प्रत्येक पल संपूर्णता से जीना और चिपकना नहीं। यही अनासक्ति है उनमें कहीं अधूरापन दिखाई ही नहीं देता। पीछे मुड़ने का उन्हें अवकाश ही नहीं है। यह कृष्ण जैसा कर्म योगी ही कर सकता है। वह विश्वरूप हैं परंतु अहंकार का कहीं नाम तक नहीं ! गाय चराने या रथ हांकने का काम करने में भी उन्हें कोई हिचक नहीं।

प्रश्न 1 -कृष्ण का पर्यायवाची नहीं है-[1]

क) मुरारी

ख) पार्थसारथी

ग) अनंग

घ) नन्दलाल

प्रश्न 2-' कर्मण्येवाधिकारस्ते, मा फलेषु कदाचन' वाक्य निहित है →[2]

क) भगवत गीता में

ख) रामायण में

ग) ऋग्वेद में

घ) महाभारत में

प्रश्न 3- दिए गए गद्यांश के अनुसार 'अनासक्ति' शब्द का क्या अर्थ है ?[3]

क) मोह- माया में लिप्त होना

ख) काम करने का अलग ढ़ग होना

ग) परिस्थिति के अनुसार जो उचित है,वह कर दे और आगे बढ़ जाए

घ) इसमें से कोई नहीं

प्रश्न 4- लेखक ने कृष्ण को किसकी उपमा दी है ?[4]

क) माखनचोर की

ख) द्वारकाधीश की

ग) कर्मयोगी की

घ) रथसारथी की

---

[1] ग

[2] क

[3] ग

[4] ग

प्रश्न 5- **कथन-** "जीवन का प्रत्येक पल सम्पूर्णता से जीना और चिपकना नहीं" [1]

उपरोक्त कथन के अनुसार निम्नलिखित में से कौन सा निष्कर्ष सही है।

क) जीवन के प्रति आकर्षण एवं मोह का होना

ख) अपनी जिम्मेदारियों से पलायन करना

ग) जीवन में आने वाले सुख- दुःख के प्रति समान भाव रखते हुए बिना फल की चिंता किए हुए कर्म करते रहना

घ) कर्म के फल की इच्छा या मोह के कारण संसारिक पदार्थो से आसक्ति रखना

प्रश्न 6- लेखक के अनुसार नीत्शे को किसकी जानकारी नहीं थी ?[2]

क) भागवत गीता की

ख) सुकरात की

ग) अरस्तु की

घ) श्रीकृष्ण की

प्रश्न 7-नीत्शे कैसे देवता की तलाश कर रहा था ?[3]

क) जो आलोकिक हो

ख) जो सर्वशक्तिमान हो

ग) जो मनुष्य की तरह सारे काम करता हो

घ) जो निराकार हो

प्रश्न 8- कृष्ण के व्यकितत्व से हमें क्या सीख मिलती है ?[4]

क) अहम् का भाव न आने देने की

ख) सभी कार्यो को सहज भाव से करने की

ग) बिना फल की इच्छा से कर्म करने की

घ) उपर्युक्त सभी

प्रश्न 9 - लेखक ने कृष्ण की तुलना किससे की है ?[5]

क) कमल पत्ते पर पड़े पानी से

ख) आग के किनारे रखी सुखी लकड़ी से

ग) कुएँ के पास खड़े व्यक्ति से

घ) हाथ में आई पतंग से

प्रश्न 10 - अंत में नीत्शे ने क्या घोषणा की थी ?[6]

क) मरने पर ही ईश्वर की प्राप्ति सम्भव है

ख) ईश्वर है लेकिन दिखता नहीं है

ग) ईश्वर होता ही नहीं है

घ) ईश्वर मर गया है

---

[1] ग [3] ग [5] क

[2] घ [4] घ [6] घ

अपठित पद्यांश-1

साक्षी है इतिहास, हमीं पहले जागे हैं
जाग्रत सब हो रहे हमारे ही आगे हैं।
शत्रु हमारे कहाँ नहीं भय से भागे हैं?
कायरता से कहाँ प्राण हमने त्यागे हैं।
हैं हमीं प्रकम्पित कर चुके, सुरपति तक का भी हृदय।
फिर एक बार हे विश्व! तुम, गाओ भारत की विजय।।
कहाँ प्रकाशित नहीं रहा है तेज हमारा
दलित कर चुके शत्रु सदा हम पैरों द्वारा।
बताओ तुम कौन नहीं जो हमसे हारा
पर शरणागत हुआ कहाँ, कब हमें न प्यारा।
बस युद्ध मात्र को छोड़कर, कहाँ नहीं हैं हम सदय।
फिर एक बार हे विश्व! तुम गाओ भारत की विजय।

1. 'हमीं पहले जागे हैं' का भाव है→[1]

(क) हम सोकर उठे हैं।
(ख) हमने कार्य पूर्ण किया है।
(ग) हमने विजय पाई है।
(घ) हमने सर्वप्रथम ज्ञान पाया है

2. 'हैं हमीं प्रकम्पित कर चुके, सुरपति तक का हृदय' से हमारी किस विशेषता का बोध होता है?[2]

(क) वीरता, साहस
(ख) युद्ध कौशल
(ग) हार कर जीतना
(घ) उपरोक्त सभी

3. हमारी दयालुता प्रकट होती है→[3]

(क) शत्रु को दलित करना
(ख) शरणागत को आश्रय देना
(ग) अपने तेज दिखाकर
(घ) विश्व में जय-जयकार करवाकर

4. 'हमारे आगे सबका जाग्रत होना' का भाव है→[4]

(क) हमारे पश्चात् ज्ञान का प्राप्त होना
(ख) हमारे बाद सोकर उठना
(ग) हमारे पीछे चलना
(घ) हमारे सामने झुकना

5. कवि किसे भारत की जय-जयकार करने को कह रहा है?[5]

(क) भारतवासियों को
(ख) शत्रुओं को
(ग) विश्व को
(घ) सेना को

---

[1] घ
[2] क
[3] ख
[4] क
[5] क

अपठित पद्यांश - 2

रोटी उसकी जिसका अनाज, जिसकी जमीन, जिसका श्रम है,
अब कौन उलट सकता, स्वतन्त्रता का सुसिद्ध सीधा क्रम है।
आजादी है अधिकार, परिश्रम का पुनीत फल पाने का,
आजादी है अधिकार, शोषणों की धज्जियाँ उड़ाने का
गौरव की नई भाषा सीख, भिखमंगों सी आवाज बदल,
सिमटी बाँहों को खोल गरुड़, उड़ने का अब अंदाज बदल।
स्वाधीन मनुज की इच्छा के आगे पहाड़ हिल सकते हैं,
रोटी क्या? ये अंबर वाले सारे सिंगार मिल सकते हैं।

1. कविता में किस अधिकार की बात कही गई है?[1]
   (क) जीने के अधिकारों की बात
   (ख) आजादी के अधिकारों की बात
   (ग) रोटी पाने की बात
   (घ) उक्त में से कोई नहीं
2. कवि के अनुसार कैसे मनुष्य की इच्छा के आगे पहाड़ हिलते है?[2]
   (क) आलसी मनुष्य के आगे
   (ख) बेकार मनुष्य के आगे
   (ग) स्वाधीन मनुष्य के आगे
   (घ) ताकतवर मनुष्य के आगे
3. काव्यांश के अनुसार रोटी पर सबसे पहला अधिकार किसका है?[3]
   (क) जिसकी जमीन है उसका
   (ख) जो परिश्रम करता है उसका
   (ग) किसान का
   (घ) सभी विकल्प सही है
4. "सिमटी बाहों को खोल" पंक्ति से माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है?[4]
   (क) अपनी शक्तियों को पहचानना
   (ख) अपने काम से काम रखना
   (ग) अपनी कमियो को जानना
   (घ) उक्त में से कोई नही
5. अवतरण में आये 'स्वाधीन' शब्द में मूल शब्द 'अधीन' है. मूल शब्द में कौनसा उपसर्ग जोड़ने से 'स्वाधीन' शब्द का विलोम शब्द बन जाएगा→[5]
   (क) अ
   (ख) पर
   (ग) परा
   (घ) स्व

---

[1] ख
[2] ग
[3] घ
[4] क
[5] ख

अपठित पद्यांश - 3

शान्ति नहीं तब तक; जब तक
सुख-भाग न नर का सम हो,
नहीं किसी को बहुत अधिक हो,
नहीं किसी को कम हो।
स्वत्व माँगने से न मिले,
संघात पाप हो जायें,
बोलो धर्मराज, शोषित वे
जियें या कि मिट जायें?
न्यायोचित अधिकार माँगने
से न मिले, तो लड़ के,
तेजस्वी छीनते समर को
जीत, या कि खुद मर के।
किसने कहा पाप है समुचित
स्वत्व-प्राप्ति-हित लड़ना?
उठा न्याय का खड्ग समर में
अभय मारना-मरना?

1. **शांति के लिए क्या आवश्यक है ?**[1]
   - **ङ. सुख में सभी का बराबर भाग हो**
   - **च. दुख ना होना**
   - **छ. जीवन में सदा सुख का मिलना**
   - **ज. सदा प्रसन्न रहना**
2. **काव्यांश के अनुसार कौन-सा युद्ध उचित है ?**[2]
   (क)धन पाने के लिए लड़ना
   (ख)आनंद प्राप्त करने के लिए लड़ना
   (ग) अपनी शक्ति का प्रदर्शन करने के लिए लड़ना
   (घ) अपने अधिकार के लिए लड़ना
3. **तेजस्वी व्यक्ति की क्या पहचान है ?**[3]
   (क) **सदैव प्रसन्न रहते है**
   (ख) **युद्ध में सदा विजय प्राप्त करते है**
   (ग) **अपने अधिकार को प्राप्त करने के लिए जान की बाजी लगा देते हैं**
   (घ) **अत्यधिक ताकतवर**
4. **कवि के अनुसार न्यायोचित अधिकार माँगने से भी नहीं मिलने पर क्या करना चाहिए-**[4]
   (क) उसे यू ही छोड़ देना चाहिए
   (ख) कोई प्रयास नहीं करना चाहिए
   (ग) दुःख प्रकट करने के लिए रो लेना चाहिए
   (घ) उसे प्राप्त करने के लिए युद्ध करना चाहिए
5. आपके अनुसार उपरोक्त काव्यांश किस बारे में सोचने पर विवश करता है ?[5]
   (क) युद्ध
   (ख) युद्ध और शांति
   (ग) अधिकार
   (घ) शक्ति प्रदर्शन

---

[1] क
[2] घ
[3] ग
[4] घ
[5] ख

अपठित पद्यांश - 4

उदयाचल से किरन-धेनुएँ
हाँक ला रहा
वह प्रभात का ग्वाला।
पूँछ उठाये चली आ रही
क्षितिज-जंगलों से टोली
दिखा रहे पथ इस भू का
सारस सुना-सुनाकर बोली
गिरता जाता फेन मुखों से
नभ में बादल बन तिरता
किरन-धेनुओं का समूह यह
आया अँधकार चरता।
नभ की अभ्र छाँह में बैठा
बजा रहा बँशी रखवाला।
ग्वालिन सी ले डूब मधुर
वसुधा हँस-हँस गले मिली
चमका अपने स्वर्ण-सींग वे
अब शैलों से उतर चलीं।

1. प्रस्तुत काव्यांश का एक उचित शीर्षक क्या हो सकता है-[1]
   (क) धरती का सौंदर्य
   (ख) सूर्योदय
   (ग) उषा काल
   (घ) नभ दर्शन
2. काव्यांश में 'प्रभात का ग्वाला' किसे कहा गया है ?[2]
   (क) किरणों को
   (ख) नभ को
   (ग) क्षितिज को
   (घ) सूर्य को
3. "गिरता जाता फेन मुखों से" यहाँ काव्यांश में 'फेन' शब्द का क्या अर्थ है ?[3]
   (क) झाग
   (ख) सांप का मुंह
   (ग) ओस-कण
   (घ) जहर
4. 'किरण-धेनुओं' का यह समूह क्या चर रहा है ? [4]
   (क) घास
   (ख) प्रकाश
   (ग) अन्धकार
   (घ) बादल
5. इस काव्यांश में 'नभ' शब्द कई बार आया है. यहाँ विकल्पों में 'नभ' के पर्यायवाची शब्द दिए गए है. उस विकल्प का चयन कीजिये जो 'नभ' का पर्यायवाची शब्द नहीं है-[5]
   (क) आकाश
   (ख) व्योम
   (ग) अभ्र
   (घ) शून्य

---

[1] ख
[2] घ
[3] क
[4] ग
[5] ग

विभिन्न माध्यमों के लिए लेखन

1. निम्नलिखित में से जनसंचार माध्यम है→[1]
   क) समाचार - पत्र
   ख) पत्रिकाएँ
   ग) इंटरनेट
   घ) उपरोक्त सभी
2. श्रव्य जनसंचार माध्यम कौन-सा है ?[2]
   क) समाचार - पत्र
   ख) रेडियो
   ग) इंटरनेट
   घ) उपरोक्त सभी
3. भारत में पहला छापाखाना कहाँ पर स्थापित किया गया ?[3]
   क) पांडिचेरी
   ख) दिल्ली
   ग) गोवा
   घ) मुंबई
4. निम्न में से उल्टा पिरामिड शैली का अंग है→[4]
   क) बॉडी
   ख) इंट्रो
   ग) समापन
   घ) उपरोक्त सभी
5. उल्टा पिरामिड शैली में समाचार को कितने भागों में बाँट दिया जाता है ?[5]
   क) दो
   ख) तीन
   ग) चार
   घ) पांच
6. समाचार पत्र प्रकाशित करने के लिए आखिरी समय सीमा दी जाती है उसे क्या कहते है ?[6]
   क) यलो लाइन
   ख) रैड लाइन
   ग) डेड लाइन
   घ) ग्रीन लाइन
7. क्रिकेट मैच का प्रसारण किस प्रकार से होता है ?[7]
   क) सीधा प्रसारण (लाइव)
   ख) फोन इन
   ग) एंकर बाइट
   घ) एंकर पैकेज
8. टेलीविजन के लिए खबर लिखने की मौलिक शर्त क्या होती है ?[8]
   क) क्लिष्ट भाषा में लेखन
   ख) साहित्यिक भाषा में लेखन

---

[1] घ [3] ग [5] ख [7] क
[2] ख [4] घ [6] ग [8] घ

ग) गाँव की भाषा में लेखन

घ) दृश्य के साथ लेखन

9. प्रिंट माध्यम का उदाहरण है→[1]

क) अखबार

ख) पत्रिकाएँ

ग) किताब

घ) उपरोक्त सभी

10. मुद्रण का आरंभ किस देश में हुआ था ?[2]

क) भारत

ख) जापान

ग) अमेरिका

घ) चीन

11. भारत में पहले छापाखाने की शुरुआत कब हुई थी ?[3]

क) सन 1456

ख) सन 1465

ग) सन 1556

घ) सन 1565

12. मुद्रित या प्रिंट माध्यम की विशेषता है →[4]

क) यह लिखित भाषा का विस्तार है।

ख) यह चिंतन, विचार और विश्लेषण का माध्यम है।

ग) उपरोक्त दोनों सही है।

घ) उरोक्त में से कोई भी नहीं ।

13. विश्व स्तर पर इंटरनेट पत्रकारिता का कौन-सा दौर चल रहा है ?[5]

क) तीसरा दौर

ख) चौथा दौर

ग) पांचवा दौर

घ) ग्यारहवां दौर

14. हिंदी पत्रकारिता दिवस कब मनाया जाता है ?[6]

क) 30 जून

ख) 30 मार्च

ग) 30 नवंबर

घ) 30 मई

15. हिंढी में नेट पत्रकारिता किसके साथ शुरू हुई थी ?[7]

क) हिंढी वार्ता के साथ

ख) अमर उजाला के साथ

[1] घ
[2] घ
[3] ग
[4] ग
[5] क
[6] घ
[7] ग

ग) वैब दुनिया के साथ

घ) आज कल के साथ

16. वेब साइट पर विशुद्ध पत्रकारिता शुरू करने का श्रेय किसे जाता है ?[1]

क) रीडिफ डॉट कॉम

ख) इंडिया इंफोलाइन डॉट कॉम

ग) सीफी डॉट कॉम

घ) तहलका डॉट कॉम

17. कौनसा अखबार प्रिंट रूप में न होकर सिर्फ़ इंटरनेट पर ही उपलब्ध है ?[2]

क) प्रभात खबर

ख) भास्कर

ग) प्रभासक्षी

घ) साक्षी

18. भारत में इंटरनेट पत्रकारिता का पहला दौर कब आरंभ हुआ था ?[3]

क) 1993 में

ख) 1994 में

ग) 2003 में

घ) 2004 में

19. किस माध्यम में दृश्य का अधिक महत्व होता है ?[4]

क) रेडियो

ख) अखबार

ग) इंटरनेट

घ) टेलीविजन

20. समाचार लेखन की कौनसी शैली प्रभावशाली है ?[5]

क) सीधा पिरामिड शैली

ख) उल्टा पिरामिड शैली

ग) वर्णनात्मक शैली

घ) विवेचनात्मक शैली

पत्रकारीय लेखन के विभिन्न रूप और लेखन प्रक्रिया

1. लोकतांत्रिक समाज में अखबार निम्नलिखित में से कौनसी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है ?[6]

क) पहरेदार के रूप में

ख) एक शिक्षक के रूप में

ग) उपरोक्त दोनों सही है

घ) कोई भी सही नहीं है

---

[1] घ
[2] ग
[3] क
[4] घ
[5] ख
[6] ग

2. पत्रकार कितने प्रकार के होते है ?[1]

   क) दो

   ख) तीन

   ग) चार

   घ) पाँच

3. समाचार संगठन में काम करनेवाले नियमित वेतनभोगी पत्रकार को क्या कहते हैं ?[2]

   क) पूर्णकालिक पत्रकार

   ख) अंशकालिक पत्रकार

   ग) फ्री लांसर पत्रकार

   घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

4. निश्चित मानदेय पर काम करनेवाले पत्रकार को क्या कहते हैं?[3]

   क) पूर्णकालिक पत्रकार

   ख) अंशकालिक पत्रकार

   ग) फ्री लांसर पत्रकार

   घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

5. भुगतान के आधार पर विभिन्न अखबारों के लिए लिखनेवाले पत्रकार को क्या कहते है ?[4]

   क) पूर्णकालिक पत्रकार

   ख) अंशकालिक पत्रकार

   ग) फ्री लांसर पत्रकार

   घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

6. पत्रकारीय लेखन में किस प्रकार की भाषा का प्रयोग किया जाता है ?[5]

   क) संस्कृतनिष्ठ भाषा

   ख) अलंकारिक भाषा

   ग) मिश्रित भाषा

   घ) आम बोलचाल की भाषा

7. समाचार लेखन में कितने ककार का प्रयोग होता है ?[6]

   क) तीन

   ख) चार

   ग) पाँच

   घ) छह

8. इंट्रो में कितने ककारों का प्रयोग होता है ?[7]

   क) एक या दो

   ख) दो या तीन

   ग) तीन या चार

   घ) चार या पाँच

---

[1] ख
[2] क
[3] ख
[4] ग
[5] घ
[6] घ
[7] ग

9. समाचार लेखन की सर्वश्रेष्ठ शैली कौनसी है ?[1]

क) विश्लेषणात्मक

ख) विवेचनात्मक

ग) सीधा पिरामिड

घ) उल्टा पिरामिड

10. निम्न में से उल्टा पिरामिड शैली का अंग है →[2]

क) बॉडी

ख) इंट्रो

ग) समापन

घ) उपरोक्त सभी

11. समाचार पत्र की आवाज किसे माना जाता है ?[3]

क) आलेख को

ख) स्तंभ को

ग) संपादक के नाम पत्र को

घ) संपादकीय को

12. फीचर का उद्देश्य है →[4]

क) सूचना देना

ख) शिक्षित करना

ग) मनोरंजन करना

घ) उपरोक्त सभी

13. फीचर की निम्नलिखित विशेषता है →[5]

क) सृजनात्मकता

ख) सुव्यवस्थितता

ग) आत्मनिष्ठता

घ) उपरोक्त सभी

14. समाचार पत्रों में छपने वाले फीचर में कितने शब्द होने चाहिए ?[6]

क) 250 से 2000 शब्द

ख) 350 से 3500 शब्द

ग) 550 से 7500 शब्द

घ) 100 से 150 शब्द

15. भ्रष्टाचार अनियमितताओं और गड़बड़ियों को उजागर करने रिपोर्ट को क्या कहा जाता है ?[7]

क) खोजी रिपोर्ट

ख) इन डेप्थ रिपोर्ट

ग) विश्लेषणात्मक रिपोर्ट

घ) विवरणात्मक रिपोर्ट

---

[1] घ
[2] घ
[3] घ
[4] घ
[5] घ
[6] क
[7] क

16. तथ्यों, सूचनाओं और आंकड़ों की गहरी छानबीन करने वाली रिपोर्ट को क्या कहा जाता है ?[1]

क) खोजी रिपोर्ट

ख) इन डेप्थ रिपोर्ट

ग) विश्लेषणात्मक रिपोर्ट

घ) विवरणात्मक रिपोर्ट

17. स्तंभ में किसके विचार होते है ?[2]

क) समाचार पत्र के

ख) लिखने वाले लेखक के

ग) संपादक के

घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

18. पत्रकारीय लेखन के लिए कच्चा माला किससे प्राप्त होता है ?[3]

क) फीचर से

ख) स्तंभ से

ग) आलेख से

घ) साक्षात्कार से

19. वह लेख, जिसमें किसी मुद्दे के प्रति समाचारपत्र की अपनी राय प्रकट होती है→[4]

क) आलेख को

ख) स्तंभ को

ग) संपादक के नाम पत्र को

घ) संपादकीय को

20. साक्षात्कार लेने वाला पत्रकार होना चाहिए→[5]

क) संवेदनशील

ख) कूटनीतिज्ञ

ग) धैर्य और साहसी

घ) उपरोक्त सभी

पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न(5)

एक गीत

बच्चे प्रत्याशा में होंगे
नैनों से झाँक रहे होंगे
यह ध्यान परों में चिड़िया के
भरता कितनी चंचलता है
दिन जल्दी जल्दी ढलता है
मुझसे मिलने को कौन विकल?
मैं हूँ किसके हित चंचल
यह प्रश्न शिथिल करता पद को
भरता उर में विहवलता है
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है।

[1] ख
[2] ख
[3] घ
[4] घ
[5] घ

1. उपर्युक्त काव्यांश के रचयिता कौन हैं?[1]
   क. शमशेर बहादुर
   ख. हरिवंश राय बच्चन
   ग. दुष्यंत कुमार
   घ. निराला
2. चिड़िया के बच्चे अपनी माँ की प्रतीक्षा में जो कुछ भी सोच रहे होंगे , इनमें से कौन सा कथन गलत है?[2]
   क. वह कहीं से दाना लाएगी।
   ख. वह आकर पंखों के नीचे हमे छिपा लेगी।
   ग. वह आकर हमें प्यार करेगी।
   घ. वह हमें चिल्लाने के लिए डाँटेगी।
3. कवि के कदम शिथिल क्यों हो जाते हैं?[3]
   क. उसे कहीं और भी जाना है।
   ख. घर पर भोजन की व्यवस्था नहीं है।
   ग. उसकी प्रतीक्षा करने वाला कोई नहीं।
   घ. सभी कथन सत्य हैं।
4. "दिन जल्दी जल्दी ढलता है "पंक्ति में कौन सा अलंकार है ?[4]
   क. यमक
   ख. पुनरुक्ति प्रकाश
   ग. रूपक
   घ. उत्प्रेक्षा
5. विकल शब्द का शुद्ध रूप क्या होगा?[5]
   क. व्याकुल
   ख. विवेक
   ग. वीरान
   घ. आने वाला कल

कविता के बहाने

निम्नलिखित पठित काव्यांश को पढ़कर निर्देशानुसार विकल्पों में से उत्तर चयन कर लिखें-

कविता एक उड़ान है चिड़िया के बहाने
कविता की उड़ान भला चिड़िया क्या जाने
बाहर भीतर
इस घर, उस घर
कविता के पंख लगा उड़ने के माने
चिड़िया क्या जाने ?

1. काव्यांश के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौन-कौन से कथन सत्य हैं ?[6]
   (i) यह काव्यांश ' कविता के बहाने ' पाठ से संगृहित है ।
   (ii) इस कविता के रचनाकार आलोक धन्वा हैं ।
   (iii) काव्यांश में केवल चिड़िया के उड़ने की बात की गई है ।
   (iv) इस कविता के रचनाकार कुँवर नारायण हैं ।

   (क) i और ii
   (ख) i और iv

---

[1] ख
[2] घ
[3] ग
[4] ख
[5] क
[6] ख

(ग) iii और i

(घ) iv और ii

2. कविता किसके बहाने एक उड़ान है ?[1]

(क) कविता गीत के बहाने एक उड़ान है।

(ख) कविता पंख के बहाने एक उड़ान है।

(ग) कविता चिड़िया के बहाने एक उड़ान है।

(घ) कविता फूल के बहाने एक उड़ान है।

3. कविता की उड़ान और चिड़िया की उड़ान में क्या अंतर है ?[2]

(क) कविता और चिड़िया दोनों की उड़ान सीमित है।

(ख) कविता की उड़ान सीमित है और चिड़िया की उड़ान असीमित।

(ग) कविता की उड़ान असीम है और चिड़िया की उड़ान ससीम।

(घ) कविता और चिड़िया दोनों की उड़ान असीम है।

4. काव्यांश के अनुसार कविता की उड़ान को कौन नहीं जान सकता है ?[3]

(क) कविता की उड़ान को मानव नहीं जान सकता है ?

(ख) कविता की उड़ान समीक्षक नहीं जान सकता है ?

(ग) कविता की उड़ान कोई नहीं जान सकता है ?

(घ) कविता की उड़ान को चिड़िया नहीं जान सकती है ?

5. ' कल्पना के पंख लगा उड़ने ' के तात्पर्य के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौन-कौन से कथन असत्य हैं ?[4]

(i) कविता की भाषा विल्कुल स्पष्ट होती है।

(ii) कविता आकाश में चिड़ियों की तरह नहीं उड़ती है।

(iii) कविता कल्पना और विचारों की उड़ान है

(iv) कविता में विचारों और भावों की परिपक्वता है।

(क) i और iv

(ख) ii और iii

(ग) i और ii

(घ) iii और iv

निम्नलिखित पठित काव्यांश को पढ़कर निर्देशानुसार विकल्पों में से उत्तर चयन कर लिखें -

कविता एक खिलना हैं फूलों के बहाने
कविता का खिलना भला फूल क्या जाने
बाहर भीतर
इस घर, उस घर
बिना मुरझाए महकने के माने
फूल क्या जाने ?

6. कविता फूलों के बहाने क्या है ?[5]

(क) कविता फूलों के बहाने उड़ना है।

(ख) कविता फूलों के बहाने खिलना है।

(ग) कविता फूलों के बहाने मुरझाना है।

(घ) कविता फूलों के बहाने मुस्कुराना है।

7. ' भला फूल क्या जाने ' में कौन -सा अलंकार है ?[6]

---

[1] ग
[2] ग
[3] घ
[4] ग
[5] ख
[6] ख

(i) प्रश्नालंकार
(ii) उत्प्रेक्षा अलंकार
(iii) उपमा अलंकार
(iv) मानवीकरण अलंकार

(क) i और ii
(ख) i और iv
(ग) iii और iv
(घ) ii और iii

8. कविता के सन्दर्भ में ' बिना मुरझाए महकने ' के क्या-क्या तात्पर्य हो सकते हैं ?[1]

(i) कविता ही वह फूल है जो कभी मुरझाती नहीं है ।
(ii) कविता फूल की तरह मुरझा जाती है।
(iii) कविता का कोई अस्तित्व नहीं है।
(iv) कविता अपनी खुशबू को असीमित काल तक विखेरती रहती है।

(क) i और ii
(ख) ii और iii
(ग) iii और iv
(घ) i और iv

9. काव्यांश में शिल्प -सौन्दर्य से संबंधित कौन से कथन असत्य है ?[2]

(क) यह कविता न तो गेय है और न ही छंदबद्ध ।
(ख) बहाने , माने , जाने की तुक से कविता में प्रवाह आया है।
(ग) 'बाहर- भीतर, इस घर,उस घर' में ' र 'की आवृत्ति से रूपक अलंकार है।
(घ) भाषा अत्यंत सरल, सुगम और प्रवाहमयी है।

10. कविता के खिलने और फूलों के खिलने में क्या वैषम्य है ?[3]

(क) फूलों से वातावरण का मोहक और आकर्षक होना।
(ख) कविता के सृजन और फूलों के खिलने में साम्य है।
(ग) कविता के सृजन और फूलों के खिलने में कोई वैषम्य नहीं है।
(घ) फूल के खिलने के साथ-साथ उसकी परिणति निश्चित है, जबकि कविता कालातीत है।

काव्य-3

कविता एक खेल है बच्चों के बहाने
बाहर भीतर
यह घर, यह घर , वह घर
सब घर एक कर देने के माने
बच्चा ही जाने
बच्चा ही जाने।

11. कविता को बच्चों के समानांतर क्यों रखा गया है ? विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखिए→[4]

(i) कविता और बच्चे दोनों ही बंधनों को नहीं मानते हैं।
(ii) कविता और बच्चे दोनों ही भावों से भरे होते हैं।
(iii) कविता और बच्चे दोनों की कल्पनाएँ असीम होती है।
(iv) कविता और बच्चे दोनों ही भेदभाव- सहित होते हैं।

(क) केवल i और ii विकल्प सही हैं।

[1] घ [2] ग [3] घ [4] ख

(ख) केवल i, ii और iii विकल्प सही हैं।

(ग) केवल ii विकल्प सही है।

(घ) उपर्युक्त में से सभी विकल्प सही है ?

12. कविता का खेल और बच्चों के खेल में क्या साम्य है ?[1]

(क) कविता का खेल और बच्चों के खेल की सीमाएँ है।

(ख) न तो कविता खेलती है और न ही बच्चों से उसकी तुलना हो सकती है।

(ग) कविता के भाव, विचार और श्रेष्ठता सदा यथावत बने रहते है।

(घ) बच्चों के खेल की तरह कविता के खेल की भी कोई सीमा नहीं है।

13. 'सब घर एक कर देने के माने' का क्या-क्या तात्पर्य हो सकते हैं ?[2]

(i) कविता बच्चों की तरह भेदभाव रहित होती हैं।

(ii) बच्चों का स्वभाव सरल होता है।

(iii) बच्चों में स्वाभाविक आत्मीयता और एकता होती हैं।

(iv) काव्यांश में बच्चों की निष्पाप दृष्टि का सम्मान किया गया है

(क) केवल i और ii विकल्प सही हैं।

(ख) केवल i, ii और iii विकल्प सही हैं।

(ग) केवल ii विकल्प सही है।

(घ) उपर्युक्त में से सभी विकल्प सही है ?

14. कविता की यात्रा कहाँ से कहाँ तक बताई गई है ?[3]

(क) चिड़िया , फूल से लेकर बच्चे तक

(ख) इस घर , उस घर तक

(ग) बच्चों के खेल तक

(घ) बाहर - भीतर तक

15. 'कविता के बहाने' कविता की क्या विशेषता है ?[4]

(क) फूलों के बारे में बताना

(ख) चिड़ियों की सीमित उड़ान के बारे में बताना

(ग) बच्चों के बारे में बताना

(घ) कविता की सर्वव्यापकता को बताना

---

[1] घ [2] घ [3] क [4] घ

कैमरे में बंद अपाहिज-1

प्रश्न-1. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए -

सोचिए
बताइए
आपको अपाहिज होकर कैसा लगता है
कैसा
यानि कैसा लगता है
(हम खुद इशारे से बताएँगे कि क्या ऐसा ?)
सोचिए
बताइए
थोड़ी कोशिश करिए
(यह अवसर खो देंगे ?)
आप जानते हैं कि कार्यक्रम रोचक बनाने के वास्ते
हम पूछ -पूछकर उसको रुला देंगे
इंतजार करते हैं आप भी उसके रो पड़ने का इंतजार
करते हैं
(यह प्रश्न नहीं पूछा जाएगा)

1. **इस पद्यांश में दूरदर्शन के कार्यक्रम-संचालकों की कार्यशैली पर क्या व्यंग्य है ?**[1]
   - **क.** वे अपाहिजों और दीन -दुखियों कि दुर्दशा को दिखा -दिखाकर पैसा कमाते है।
   - **ख.** कार्यक्रम संचालकों का धंधा बहुत करुणोत्पादक है इसलिए उन्हे क्रूर होकर बेहूदे प्रश्न पूछने पड़ते है।
   - **ग.** विकल्प 'ख' सही है
   - **घ.** क और ख सही उत्तर है
2. **अभिकथन→ (अ) दर्शकों की मानसिकता बन गई है कि वे किसी की पीड़ा के चरम रूप का आनंद लेते हैं।**[2]
   तर्क→ (र) क्योंकि दर्शक संवेदनशील हो गए हैं।
   - **क. अभिकथन (अ) सही है परंतु तर्क (र) गलत है**
   - **ख. अभिकथन (अ)गलत है परंतु तर्क (र) सही है**
   - **ग. अभिकथन (अ) और तर्क (र) दोनों सही हैं**
   - **घ. अभिकथन (अ) और तर्क (र) दोनों गलत है**
3. **अभिकथन (अ)→ संचालक संकेतों द्वारा अपाहिज व्यक्ति की पीड़ा को अभिव्यक्त करने का तरीका बताते है।**[3]
   तर्क (र) →क्योंकि उनका एक मात्र उद्देश्य कार्यक्रम को रोचक बनाना है।
   - **क. अभिकथन (अ) सही है परंतु तर्क (र) गलत है**
   - **ख. अभिकथन (अ)गलत है परंतु तर्क (र) सही है**
   - **ग. अभिकथन (अ) और तर्क (र) दोनों सही हैं**
   - **घ. अभिकथन (अ) और तर्क (र) दोनों गलत है**
4. **अभिकथन (अ) →दूरदर्शन पर अपाहिज व्यक्ति से उसकी अपंगता के दर्द पर बेहूदे प्रश्न पूछे जाते हैं।**[4]
   तर्क (र)→क्योंकि ऐसे प्रश्न अशक्त व्यक्ति के अस्तित्व पर चोट करते हैं ।
   - **क. अभिकथन (अ) सही है परंतु तर्क (र) गलत है**
   - **ख. अभिकथन (अ)गलत है परंतु तर्क (र) सही है**
   - **ग. अभिकथन (अ) और तर्क (र) दोनों गलत है**
   - **घ. अभिकथन (अ) और तर्क (र) दोनों सही हैं**
5. **अपाहिज से दूरदर्शन कार्यक्रम -संचालक किस प्रकार के प्रश्न पूछता है ?**[5]

---

[1] घ
[2] क
[3] ग
[4] घ
[5] घ

क. अर्थपूर्ण
ख. तर्कसंगत
ग. भावपूर्ण
घ. अर्थहीन

कैमरे में बंद अपाहिज-2

फिर हम परदे पर दिखलाएँगे
फूली हुई आँख की एक बड़ी तस्वीर
बहुत बड़ी तस्वीर
और उसके होठों पर एक कसमसाहट भी
(आशा है आप उसे उसकी अपंगता की पीड़ा मानेंगे)
एक और कोशिश
दर्शक
धीरज रखिए
देखिए
हम दोनों एक संग रुलाने है
आप और वह दोनों
(कैमरा
बस करो
नहीं हुआ
रहने दो
पर्दे पर वक्त की कीमत है)
अब मुस्कुराएँगे हम
आप देख रहे थे समाजिक उद्देश्य से युक्त कार्यक्रम
(बस थोड़ी ही कसर रह गई)

प्रश्न-3. निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए –

1. **एक और कोशिश कैमरामैन व संचालक कर रहे हैं क्योंकि –**
   क. वे अपाहिज की रोती मुद्रा दिखा कर अपने कार्यक्रम की लोकप्रियता को बढ़ाना चाहते है
   ख. वे अपाहिज व्यक्ति के प्रति संवेदनशील है
   ग. वे अपने उद्देश्य में अभी तक सफल नहीं हो पाये है
   घ. विकल्प (क) और (ग) दोनों सही हैं
2. **कार्यक्रम -संचालक का परदे पर फूली हुई आँख की तस्वीर दिखाने का क्या उद्देश्य है –**[1]
   (क) वह उस अपाहिज व्यक्ति की सहायता करना चाहता है
   (ख)वह लोगों के सामने अपाहिजों के दर्द को बढ़ा -चढ़ाकर दिखाना चाहता है
   (ग) इससे उसका कार्यक्रम प्रभावी बन जाएगा
   (घ) विकल्प (ख) और (ग) दोनों सही है

[1] घ

3. **कार्यक्रम संचालक किस बात में असफल रह गया -**[1]

(क) अपाहिज व्यक्ति मुस्कुरा नहीं पाया

(ख)बहुत कोशिशों के बावजूद अपाहिज अपने दुख दर्द को पूरी तरह रोकर दिखा नहीं पाया

(ग) विकल्प (क) सही और (ख) गलत है

(घ) विकल्प (क) और (ख) दोनों सही है

4. **परदे पर किसकी कीमत है ?**[2]

(क) वक्त की

(ख) अपाहिज की

(ग) दर्शक की

(घ) प्रस्तुतकर्ता की

पठित कविताओं पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न→

एक गीत

1. **पंथी शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है?**[3]

क. कवि के लिए

ख. मंजिल के लिए

ग. दिन के लिए

घ. सूर्य के लिए

2. **चिड़िया के पंख में चंचलता क्यों आ जाती है?**[4]

क. उसे भूख लगी है।

ख. कोई शिकारी पक्षी उसके पीछे है।

ग. उसे अपने बच्चों का ख्याल आ गया।

घ. उसने भोजन ग्रहण कर लिया है।

3. **उर शब्द का पर्यायवाची क्या है ?**[5]

क. पैर

ख. पंख

ग. आँखें

घ. हृदय

4. **इस कविता में प्रयुक्त भाषा कौन सी है ?**[6]

क. अवधी

ख. ब्रज

ग. खड़ी बोली

घ. भोजपुरी

5. **"एक गीत "कविता बच्चन जी के किस काव्य संग्रह से ली गई है ?**[7]

क. मधुशाला

ख. निशा निमंत्रण

ग. मधुबाला

घ. मधुकलश

---

[1] ख [3] क [5] घ [7] ख

[2] क [4] ग [6] ग

6. "दिन जल्दी जल्दी ढलता है"पंक्ति को पढ़कर हमारे सम्मुख कौन सा दृश्य आता है?[1]
   - **क.** सूर्य का डूबना
   - **ख.** सूर्य का उगना
   - **ग.** पशुओं का खेत में जाना
   - **घ.** बच्चों का विद्यालय प्रस्थान
7. मैं होऊँ किसके हित चंचल? पंक्ति में किस शैली का प्रयोग है?[2]
   - **क.** आज्ञा वाचक
   - **ख.** इच्छा वाचक
   - **ग.** प्रश्नवाचक
   - **घ.** विस्मय वाचक
8. निम्नलिखित में से कौन सा शब्द "मंजिल "का बोध नहीं कराता ?[3]
   - **क.** लक्ष्य
   - **ख.** साध्य
   - **ग.** गंतव्य
   - **घ.** यात्रा
9. यदि चिड़िया समय पर अपने घोसले में नहीं पहुंचेगी तो बच्चों का क्या होगा ?[4]
   - **क.** वे भूखे रहेंगे।
   - **ख.** वे मस्ती करेंगे।
   - **ग.** वह चैन से सोते रहेंगे।
   - **घ.** कोई दूसरी चिड़िया दाना देगी।
10. 'प्रत्याशा' शब्द में कौन सा उपसर्ग है?[5]
    - **क.** प्र
    - **ख.** प्रति
    - **ग.** प्र
    - **घ.** प्रत्य

कविता के बहाने

1. कविता के रचने और फूलों के खिलने के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा विचार असत्य है ?[6]
   - **क.** फूल अपनी खुशबू को लेकर खिलता है और कविता अपने भावों को लेकर।
   - **ख.** कविता के भाव और विचारों की श्रेष्ठता यथावत रहती है और जबकि फूल मुरझा जाते हैं।
   - **ग.** कविता की सार्थकता मनोभावों को व्यक्त करने में है जबकि फूलों की सार्थकता महकने में है।
   - **घ.** कविता फूलों की तरह नहीं महकती है जबकि फूल हमेशा खुशबू बिखेरती रहती है।
2. काव्यांश के भाव - सौन्दर्य के सन्दर्भ में कौन सा कथन असत्य है ?[7]
   - **क.** काव्यांश में कविता और मनुष्य की तुलना की गई है।
   - **ख.** काव्यांश में कविता और फूल की तुलना मनोरम है।
   - **ग.** कविता अपने कोमल भावों से सभी को प्रसन्न करती है।
   - **घ.** कविता की तुलना में फूल की बेचारगी प्रदर्शित है।
3. काव्यांश के माध्यम से कवि क्या सन्देश देना नहीं चाहता है ?[8]
   - **क.** बच्चों की क्रीडा के समान कविता भी सबको समान मानती है।
   - **ख.** कविता के माध्यम से कवि सबको असमान मानकर भावों को व्यक्त करता है
   - **ग.** कविता का दायरा विस्तृत होता है।

---

[1] क
[2] ग
[3] घ
[4] क
[5] ख
[6] घ
[7] क
[8] ख

घ. कविता अपने-पराए का भेद भूलकर सबकी अनुभूतियों को व्यक्त करती है।

4. कविता को खेल क्यों कहा गया है ? विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखें।[1]

क. जिस प्रकार बच्चे आत्माभिव्यक्ति के लिए खेलते है उसी तरह कविता भी आत्माभिव्यक्ति के लिए लिखी जाती है।

ख. जैसे बच्चे गंभीर उद्देश्य के लिए खेलते हैं,उसी प्रकार कविता भी केवल गंभीर उद्देश्य के लिए लिखी जाती है।

ग. बच्चों के खेलों और कविता के खेलों में लीला -भाव प्रमुख नहीं होते हैं।

घ. बच्चा खेल में कविता की तरह अपने -पराए का भेद करता है।

सुंदर है सुमन, विहग सुंदर

मानव तुम सबसे सुंदरतम।

5. पंत जी की इस कविता में प्रकृति की तुलना में मनुष्य को अधिक सुंदर और समर्थ बताया गया है 'कविता के बहाने' कविता में से इस आशय को अभिव्यक्त करने वाले बिंदु कौन -कौन से हैं ?[2]

(i) कविता का खिलना भला फूल क्या जाने।

(ii) कविता की उड़ान भला चिड़िया क्या जाने।

(iii) सब घर एक कर देने के माने बच्चा ही जाने ।

(iv) कविता एक खिलना हैं फूलों के बहाने।

(क) i और ii

(ख) i, ii और iii

(ग) ii और iv

(घ) i और iv

[1] क

[2] ख

पाठ पर आधारित प्रश्न

प्रश्न 3→ निम्नलिखित प्रश्नों में निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए -

1. अभिकथन (अ)-'हम दूरदर्शन पर बोलेंगे हम समर्थ शक्तिमान' पंक्ति में अहं की अभिव्यक्ति है।[1]
तर्क (र)इस पंक्ति में पत्रकारिता के बढ़ते वर्चस्व को दिखाने के लिए 'हम' का प्रयोग किया गया है।

(क) अभिकथन (अ) सही है परंतु तर्क (र) गलत है
(ख) अभिकथन (अ)गलत है परंतु तर्क (र) सही है
(ग) अभिकथन (अ) और तर्क (र) दोनों सही हैं
(घ) अभिकथन (अ) और तर्क (र) दोनों गलत है

2. 'परदे पर वक्त की कीमत है' ऐसा कह कर कवि ने साक्षात्कार को किस रूप में व्यक्त किया है→[2]

(क) बाज़ार की क्रूरता का
(ख) संवेदनहीन समाज का
(ग) मनुष्य के दुख को उत्पाद बनाना
(घ) उपरोक्त सभी विकल्प सही है

3. अभिकथन (अ) 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है।[3]
तर्क (र) एक अपाहिज की करुणा को पैसे के लिए टी. वी. पर दर्शाना वास्तव में क्रूरता की चरमसीमा है।

(क) अभिकथन (अ) सही है ,परंतु तर्क (र) गलत है।
(ख) अभिकथन (अ) सही है और तर्क (र) पूर्णत: सही है।
(ग) अभिकथन (अ) और तर्क (र) दोनों गलत हैं।
(घ) अभिकथन (अ) सही है ,परंतु तर्क (र) आंशिक गलत है।

4. अभिकथन (अ) कार्यक्रम की सफलता हेतु प्रश्नकर्ता अपंग व्यक्ति को रुलाना चाहता है।[4]
तर्क (र) रोना और रुलाना कार्यक्रम की सफलता का मूलमंत्र है।

(क) अभिकथन (अ) सही है ,परंतु तर्क (र) गलत है
(ख) अभिकथन (अ) सही है और तर्क (र) अभिकथन की सही व्याख्या है।
(ग) अभिकथन (अ) और तर्क (र) दोनों गलत हैं।
(घ) अभिकथन (अ) और तर्क (र) दोनों सही हैं।

5. संवाददाता अपाहिज से कौन -कौन से सवाल पूछते है ?[5]

(क) आप क्यों अपाहिज है
(ख) आपको अपाहिज होकर कैसा लगता है
(ग) आपका दुख क्या है
(घ) उपर्युक्त सारे विकल्प सही है

6. "कैमरे में बंद अपाहिज" कविता में किस पर व्यंग्य किया गया है ?[6]

(क) दुर्बल व्यक्ति पर
(ख) कैमरे की संवेदनहीनता पर
(ग) दर्शको की संवेदूहीनता पर
(घ) दूरदर्शन की संवेदनहीनता पर

7. अभिकथन (अ) संचालक कार्यक्रम खत्म होने पर मुसकुराता है।[7]
तर्क (र) संचालक की मुस्कुराहट अपाहिज के प्रति सच्ची करुणा है।

(क)अभिकथन (अ) सही है और तर्क (र) अभिकथन की सही व्याख्या है।
(ख)अभिकथन (अ)सही है परंतु तर्क (र) अभिकथन की गलत व्याख्या है।
(ग)अभिकथन (अ) और तर्क (र) दोनों गलत हैं।
(घ)अभिकथन (अ) और तर्क (र) दोनों सही हैं।

---

[1] ग
[2] घ
[3] ख
[4] क
[5] घ
[6] घ
[7] ख

8. कवि ने किन शब्दों का प्रयोग का प्रयोग करके मीडिया वालों पर व्यंग्य किया है ?[1]

(क) हम एक दुर्बल को लाएँगे ।

(ख) हम एक दुर्बल को लाएँगे ।

(ग) थोड़ी कोशिश कीजिए ।

(घ) उपरोक्त सभी विकल्प सही है

9. कार्यक्रम प्रस्तुतकर्ता किसे कैमरे पर बड़ा -बड़ा करके दिखाने को कहता है ?[2]

(क)अपाहिज व्यक्ति की कुछ न कह पाने या रोने की स्थिति को

(ख)प्रस्तुतकर्ता के हाव -भाव को

(ग)अपाहिज व्यक्ति के अंग को

(घ) अपाहिज व्यक्ति के वास्तविक दु:ख को

10. कैमरे में बंद अपाहिज कविता में मीडियकर्मी का मुख्य उद्देश्य क्या है ?[3]

(क) अपाहिज से सहानुभूति रखना

(ख) अपना व्यावसायिक लाभ करना

(ग) अपाहिज व्यक्ति के दुख से समाज को परिचित कराना

(घ) अपने कर्तव्य कर्म का पालन करना

पठित काव्यांश पर आधारित प्रश्न

<u>सहर्ष स्वीकारा है</u>

सचमुच मुझे दंड दो कि भूलूँ मैं भूलूँ मैं
तुम्हें भूल जाने की
दक्षिण ध्रुवी अंधकार-अमावस्या
शरीर पर, चेहरे पर, अंतर में पा लूँ मैं
झेलूँ मैं, उसी में नहा लूँ मैं
इसलिए कि तुमसे ही परिवेटित आच्छादित
रहने का रमणीय यह उजेला अब
सहा नहीं जाता हैं।
नहीं सहा जाता है।
ममता के बदल की माँडराती कोमलता
भीतर पिरती है
कमज़ोर और अक्षम अब हो गई है आत्मा यह
छटपटाती छाती को भवितव्यता डराती है
बहलाती - सहलाती आत्मीयता बरदाश्त नहीं होती है

1.कवि की स्वयं के लिए दंड की कामना करना,उनकी किस मन:स्थिति को दर्शाता है?[4]

क)वह अपने प्रिय से नाराज़ है।

ख)वह भविष्य में प्रिय के जीवन में न होने की सम्भावना में स्वयं को सशक्त करने के लिए स्वयं को तैयार करने की चेष्टा कर रहे है।

ग) वह स्वयं को सशक्त करके ,प्रिय की देखरेख करना चाहते है।

घ)वह मन बहलाना चाहते है

2.कवि बहलाती - सहलाती आत्मीयता को सहन क्यों नहीं कर पा रहे है?[5]

क)वह प्रिय के सुरक्षा के घेरे से निकल कर स्वयं को निकालना चाहते है

ख)उन्हें स्नेह पसन्द नहीं है।

ग) प्रिय का व्यवहार उन्हें नहीं भा रहा है।

---

[1] ख [3] ख [5] क

[2] क [4] ख

घ)वह स्वयं सुरक्षा के घेरे से निकल कर प्रिय को बचाना चाहते है।

3.कवि अपने संबोध्य प्रिय पात्र को भूल जाने की तुलना अमावस्या से क्यों करते हैं ?[1]

क) प्रिय की उपस्थिति कवि के जीवन में उजाला फैलाती है इसलिए उसके अभाव में वे स्वयं को गहरी अमावस्या से घिरा हुआ अनुभव करते हैं

ख) कवि की प्रिया बहुत ही के सुंदर वर्ण की तुलना यहाँ चंद्रमा से की गई है इसीलिए उसके अभाव में अमावस्या का बोध होता है

ग)अमावस्या में चंद्रमा का अभाव होता है इसीलिए यहाँ पर प्रिय की तुलना अमावस्या से की गई है

घ)सभी उत्तर सही है

4. अमावस्या के लिए प्रयुक्त विशेषण दक्षिण ध्रुवी अमावस्या से अर्थ में क्या विशेषता आई है ?[2]

क) इससे एक वैश्विक रूप अमावस्या को मिला है

ख) इससे अंधेरे की सघनता और अधिक घनीभूत होती है

ग) प्रिय से बिछड़ने के बाद लेखक के मन के भावों को समझाने के लिए अंधेरे की सघनता और घनीभूत विशेषता अधिक सार्थक सिद्ध होती है

घ) अमावस्या के रूप को निखारा गया हैं।

5. कवि भविष्य के प्रति आशंकित है।[3]

कथन १ :प्रिया के अभाव में वह अकेला जी नहीं पाएगा

कथन २ : कवि आशंकित है कि वह प्रिय पर इतना निर्भर है कि प्रिय के अभाव में वह अपना ध्यान नहीं रख पाएगा।

क) कथन १ सही है

ख) कथन २ सही है

ग) कथन १ एवं २ , दोनों सही है

घ) कथन १ एवं २ , दोनों सही नहीं है

काव्य से अन्य प्रश्न

6. कवि ने गरबीली के लिए जिस विशेषण का प्रयोग किया है, वह क्या अर्थ प्रस्तुत कर रही है?[4]

क) गर्व करने वाली

ख) दुख देने वाली

ग)शर्माने वाली

घ) सुख देने वाली

7.कवि ने अपने प्रिय के लिए अपनी मन की भावना की तुलना सरिता से क्यों की है ?[5]

क) वह सुंदर होती है।

ख)कभी न समाप्त होने वाले स्रोत के रूप में

ग)मीठा पानी के रूप में

घ) सभी उत्तर सही है।

8. कवि को किन बादलों की मँडराती कोमलता कष्ट देती है -[6]

क) जल से भरे

ख)कष्ट से भरे

ग)ममता से भरे

घ) परायेपन से भरे

9. कवि को अपने जीवन का सब कुछ सहर्ष स्वीकार क्यों है ?[7]

क)क्योंकि उन्हें अपना व्यक्तित्व पसंद है

ख)क्योंकि कवि को अपने आप पर गर्व है

---

[1] ग
[2] ग
[3] ग
[4] क
[5] ख
[6] ग
[7] घ

ग)क्योंकि उन्हें खुद को बदलना अच्छा नहीं लगता

घ) क्योंकि कवि के प्रिय को कवि का यही रूप सबसे ज्यादा पसंद है।

10.' जाने क्या रिश्ता है' इस कथन से कवि के मन का कौन सा भाव प्रकट होता है-[1]

क)असमंजस वाली स्थिति

ख) प्रिय के प्रति समर्पण की स्थिति

ग)द्वंद की स्थिति

घ)नाराजगी की स्थिति

पद्यांश-2

"जिंदगी में जो कुछ हैं, जो भी है
इसलिए कि जो कुछ भी मेरा हैं
वह तुम्हें प्यारा हैं।
गरबीली गरीबी यह, ये गंभीर अनुभव सब
यह विचार-वैभव सब
दृढ़ता यह, भीतर की सरिता यह अभिनव सब
मौलिक है, मौलिक है
इसलिए कि पल-पल में
जो कुछ भी जाग्रत हैं अपलक हैं-
संवेदन तुम्हारा हैं!!

11.कवि जीवन की प्रत्येक परिस्थिति को सहर्ष स्वीकार करता-ऐसा क्यों?[2]

क)उसे अपने जीवन की हर उपलब्धि व स्थिति इसलिए सहर्ष स्वीकार है क्योंकि उसे अपनी हर उपलब्धि पर गर्व है।

ख)कवि को अपने जीवन की हर उपलब्धि व स्थिति इसलिए सहर्ष स्वीकार है क्योंकि यह सब कुछ उसके प्रिय को कवि की हर उपलब्धि पसंद है।

ग)वह जीवन हो सहज भाव से लेता है

घ) कवि के मित्र भी इसी तरह जीवन का आनन्द लेते है।

12. कवि जीवन के गंभीर अनुभव, वैचारिक चिंतन, व्यक्तित्व की दृढ़ता और अंत:करण की भावनाओं को मौलिक मानता है।-ऐसा क्यों?[3]

क)ये सब उसके यथार्थ के प्रतिफल हैं ।

ख)वह समाज के समक्ष एक सफल व्यक्ति के रूप में उभरता है।

ग)दोनों उत्तर सही है।

घ)दोनों उत्तर सहीं नहीं है।

13. 'जो कुछ भी मेरा हैं वह तुम्हें प्यारा हैं'—इस कथन के द्वारा कवि के प्रति प्रिय की कैसी भावना प्रकट होती है?[4]

क)आदर की भावना

ख) कवि की उपलब्धियों में प्रिय का समर्थन प्रकट होता है।

ग)गर्व की भावना

घ)नकारात्मक सोच

पद्यांश-3

"जाने क्या रिश्ता हैं, जाने क्या नाता हैं
जितना भी ऊँड़ेलता हूँ भर-भर फिर आता है
दिल में क्या झरना है?
मीठे पानी का सोता हैं
भीतर वह, ऊपर तुम

---

[1] ख

[2] ख

[3] क

[4] ख

मुसकाता चाँद ज्यों धरती पर रात-भर
मुझ पर त्यों तुम्हारा ही खिलता वह चेहरा हैं!"

14.मुसकाता चाँद ज्यों धरती पर रात-भर- अलंकार बताइए →[1]

क)यमक
ख)अनुप्रास
ग)उत्प्रेक्षा
घ)पुनरुक्तिप्रकाश

15.दिए गये भाषाई विशेषताओं में सही विकल्प छाँटिए→[2]

क)काव्य की रचना मुक्त छंद में हैं।
ख)भाषा साहित्यिक खड़ी बोली है जो भावाभिव्यक्ति में समर्थ है।
ग)बिम्ब योजना का सुन्दर प्रयोग हुआ है।
घ)सभी सही है।

पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

भक्तिन

जीवन के दूसरे परिच्छेद में भी सुख की अपेक्षा दुख ही अधिक है। जब उसने गेहुँए रंग और बटिया जैसे मुख वाली पहली कन्या के दो संस्करण और कर डाले तब सास और जिठानियों ने ओठ बिचकाकर उपेक्षा प्रकट की, उचित भी था, क्योंकि सास तीन - तीन कमाऊ वीरों की विधात्री बनकर मचिया के ऊपर विराजमान पुरखिन के पद पर अभिषिक्त हो चुकी थी और दोनों जिठानियाँ काक भुशंडी जैसे काले लालों की क्रमबद्ध सृष्टि करके इस पद के लिए उम्मीदवार थी। छोटी बहू के लीक छोड़कर चलने के कारण उसे दंड मिलना आवश्यक हो गया।

(1) जीवन के दूसरे परिच्छेद से क्या आशय है ?[3]

क- वैवाहिक जीवन
ख- अवैवाहिक जीवन
ग- सन्यासी जीवन
घ- मिश्रित जीवन

(2) भक्तिन ने जब पहली कन्या के दो संस्करण और कर डाले तब सास और जिठानियों की क्या प्रतिक्रिया थी ?[4]

क- मुस्कुराकर प्रशंसा की
ख- ओठ बिचकाकर उपेक्षा प्रकट की
ग- ओठ बिचकाकर अपेक्षा प्रकट की
घ- खुशी से नाचने लगी

(3) कथन-भक्तिन के पुत्र न होने पर उसके सास द्वारा उपेक्षा प्रकट की गई।[5]
कारण- वह स्वयं तीन पुत्रों को जन्म दे चुकी थी।

क- कथन सही है कारण गलत
ख- कथन गलत है कारण सही
ग- कथन और कारण दोनों सही है
घ- कथन और कारण दोनों गलत है

(4) लीक छोड़कर चलने से क्या अभिप्राय है?[6]

क- पुरानी परंपरा पर चलना
ख- नए तरीके को छोड़कर पुराने पर चलना
ग- सभी के साथ मिलकर चलना
घ- पुरातन तरीके से अलग हटकर नए तरीके से चलना

---

[1] ग
[2] घ
[3] क
[4] ख
[5] ग
[6] घ

(5) गद्यांश में 'छोटी बहू' संबोधन भक्तिन के लिए प्रयुक्त हुआ है कथन ------है-[1]

क- सत्य

ख- असत्य

ग- न सत्य है न असत्य

घ- इनमें से कोई नहीं

बाज़ार दर्शन

पठित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

बाज़ार में एक जादू है। वह जादू आँख की राह काम करता है। वह रूप का जादू है पर जैसे चुंबक का जादू लोहे पर ही चलता है, वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा है। जेब भरी हो,और मन खाली हो,ऐसी हालत में जादू का असर खूब होता है। जेब खाली पर मन भरा न हो,तो भी जादू चल जाएगा। मन खाली है तो बाज़ार की अनेकानेक चीजों का निमंत्रण उस तक पहुँच जाएगा। कहीं हुई उस वक्त जेब भरी तब तो फिर वह मन किसकी मानने वाला है। मालूम होता है यह भी लूँ, वह भी लूँ। सभी सामान जरूरी और आराम को बढ़ाने वाला मालूम होता है। पर यह सब जादू का असर है।

प्रश्न 1 - किसका जादू आँख की राह काम करता है ?[2]

क- जादूगर का

ख - बंगाल का

ग - बाज़ार का

घ - काला जादू

प्रश्न 2 - उपर्युक्त गद्यांश का मुख्य प्रतिपाद्य(उद्देश्य) क्या हो सकता है ?[3]

क- बाज़ार के उपयोग का विवेचन

ख- बाज़ार से लाभ

ग- बाज़ार न जाने की सलाह

घ - बाज़ार जाने की सलाह

प्रश्न 3 - बाज़ार का सामान जरूरी और आराम को बढ़ाने वाला मालूम होता है- कारण है →[4]

क - लालच के कारण

ख - मोह के कारण

ग - बाज़ार के जादू के कारण

घ - व्यक्ति के कारण

प्रश्न 4 - आप को किस स्थिति में बाज़ार जाना चाहिए ?[5]

क -जब मन खाली हो

ख -जब मन खाली न हो

ग -जब मन बंद हो

घ -जब मन में नकार हो

प्रश्न 5 - ग्राहक पर बाज़ार के जादू का प्रभाव पड़ने का कारण है -[6]

क - ग्राहक का मन खाली होना

ख- ग्राहक का मन भरा हुआ होना

ग- ग्राहक के साथ उसकी पत्नी होना

घ- ग्राहक गरीब होना

काले मेघा पानी दे

क एक बात देखी है कि अगर तीस-चालीस मन गेहूँ उगाना है तो किसान पाँच-छह से अच्छा गेहूँ अपने पास से लेकर जमीन में क्यारियाँ बनाकर फेंक देता है। उसे बुवाई कहते हैं। यह जो सूखे हम अपने घर का पानी इन पर

---

[1] क
[2] ग
[3] क
[4] ग
[5] ख
[6] क

फेंकते हैं वह भी बुवाई है। यह पानी गली में बोएँगे तो सारे शहर, कस्बा, गाँव पर पानी वाले बादलों की फसल आ जाएगी। हम बीज बनाकर पानी देते हैं, फिर काले मेघा से पानी माँगते हैं। सब ऋषि-मुनि कह गए हैं कि पहले खुद दो तब देवता तुम्हें चौगुना-अठगुना करके लौटाएँगे भइया, यह तो हर आदमी का आचरण है, जिससे सबका आचरण बनता है। यथा राजा तथा प्रजा सिर्फ यही सच नहीं है। सच यह भी है कि यथा प्रजा तथा राजा। यही तो गाँधी जी महाराज कहते हैं।

1. किसान के उदाहरण से लेखक का आशय है?[1]
   - **क.** त्याग केलिए कुछ प्राप्त करना
   - **ख.** कुछ प्राप्ति के लिए त्याग करना
   - **ग.** किसान की इच्छा, कुछ भी पहले करे
   - **घ.** त्याग बड़ा है प्राप्ति से
2. 'पहले खुद दो तब देवता तुम्हें चौगुना-अठगुना करके लौटाएँगे' इसमें भारतीय-संस्कृति की कौन-सी विशेषता निहित है?[2]
   - **क.** 'ईशावास्यमिदं सर्वम्' अर्थात् ईश्वर हरजगह है
   - **ख.** 'चरैवेति' अर्थात् चलते रहो, कर्म करते रहो
   - **ग.** 'तेन त्यक्तेन भुञ्जीथाः' अर्थात् कुछ पाने से पहले त्याग करो
   - **घ.** 'यथा राजा तथा प्रजा' अर्थात् प्रजा राजा का अनुसरण करती है
3. गेहूँ उत्पादन हेतु पाँच-छः सेर गेहूँ फेंकना कब निष्प्रभावी हो सकता है?[3]
   - **क.** खेत के उर्वरक होने पर
   - **ख.** खेत के ऊषर होने पर
   - **ग.** खेत में खाद न डालने पर
   - **घ.** खेत में पानी लगाने पर
4. 'यथा प्रजा तथा राजा' इस विलोम सूक्ति से लेखक का अभिप्राय है?[4]
   - **क.** जैसा राजा वैसी प्रजा
   - **ख.** प्रजा राजा का अनुकरण करती है
   - **ग.** लोकतंत्र में बेईमान प्रजा बेईमान को शासन सौंपती है
   - **घ.** जनता हमेशा जनार्दन होती है
5. पानी को गली में बोने से अभिप्राय है→[5]
   - **क.** पानी के व्यर्थ में मेंढक मंडली पर फेंकना
   - **ख.** पानी का स्वयं उपयोग न करना
   - **ग.** पानी का अधिक महत्त्वपूर्ण न होना
   - **घ.** पानी का सत्पात्र को दान करना

लेकिन इस बार मैंने साफ इनकार कर दिया। नहीं फेंकना है मुझे बाल्टी भर-भर कर पानी इस गंदी मेढक मंडली पर। जब जीजी बाल्टी भर कर पानी ले गईं उनके बूढ़े पाँव डगमगा रहे थे, हाथ काँप रहे थे, तब भी मैं अलग मुँह फुलाए खड़ा रहा। शाम को उन्होंने लड्डू मठरी खाने को दिए तो मैंने उन्हें हाथ से अलग खिसका दिया। मुँह फेरकर बैठ गया, जीजी से बोला भी नहीं। पहले वे भी तमतमाईं, लेकिन ज्यादा देर तक उनसे गुस्सा नहीं रहा गया। पास आ कर मेरा सर अपनी गोद में लेकर बोली, "देख भइया रूठ मत। मेरी बात सुन। यह सब अंधविश्वास नहीं है। हम इन्हें पानी नहीं देंगे तो इंद्र भगवान हमें पानी कैसे देंगे ?" मैं कुछ नहीं बोला। फिर जीजी बोलीं। "तू इसे पानी की बरबादी समझता है पर यह बरबादी नहीं है। यह पानी का अर्घ्य चढ़ाते हैं, जो चीज मनुष्य पाना चाहता है उसे पहले देगा नहीं तो पाएगा कैसे ? इसीलिए ऋषि-मुनियों ने दान को सबसे ऊँचा स्थान दिया है। "

1. लेखक ने साफ इनकार क्यों कर दिया ?[6]

---

[1] ख
[2] ग
[3] ख
[4] ग
[5] घ
[6] ग

क. क्योंकि वह अंधविश्वासी था
ख. क्योंकि उसे उछलना कूदना पसंद नहीं था
ग. क्योंकि वह इन सब बातों को अंधविश्वास मानता था
घ. क्योंकि वह जीजी से गुस्सा था

2. लेखक अपनी जीजी से क्यों रूठा रहा?[1]
   i. उसके अनुसार इंद्रसेना पर पानी डालना पाखंड था
   ii. उसकी जीजी इस रिवाज पर आस्था रखती थी
   iii. लेखक जीजी से इंद्रसेना पर पानी डलवाना चाहता था
   iv. जीजी की इच्छा थी कि लेखक इंद्रसेना पर अपने हाथ से पानी डाले

क. i, ii, iii
ख. ii, iii, iv
ग. iii, iv, i
घ. iv, i, ii

3. लेखक के मुँह फुलाने पर जीजी की प्रतिक्रिया व उसके सही कारण को पहचानें→[2]
क. पहले क्रोध किया फिर समझाया→क्योंकि वह चाहती थी कि लेखक भी इंद्रसेना के महत्त्व को समझे
ख. लेखक के रूठने पर ध्यान नहीं दिया→क्योंकि वह सोच रही थी कि इसी तरह इसकी बुद्धि ठिकाने आएगी
ग. उसे क्रोध करते हुए समझाया→क्योंकि वह कठोरता के बिना नहीं समझ रहा था
घ. उपर्युक्त B, C

4. नीचे लेखक व जीजी के मतभेद दिए गए हैं, कौन-सा मतभेद नहीं है?[3]
क. लेखक इन्द्रसेना पर पानी डालने को अंधविश्वास समझता है, जीजी नहीं
ख. जीजी इंद्रसेना पर पानी डालने को जलदान समझती है, लेखक नहीं
ग. लेखक ऋषि-मुनियों को महत्त्व नहीं देता, जीजी देती है
घ. लेखक पानी फेंकने को बरबादी मानता है, जीजी नहीं मानती

5. दिए गए तर्कों में कौन-सा जीजी का तर्क नहीं है?[4]
क. जल चढ़ाना अर्घ्यदान है
ख. जल के दान को पाकर देवता कई गुना देते हैं
ग. खेत में बीज फेंकने से इंद्रदेवता खुश होते हैं
घ. बादलों के प्रति दान करने से वर्षा होती है

पठित गद्यों पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

भक्तिन

(1) भक्तिन पाठ के आधार पर पंचायत की क्या तस्वीर उभरती है ?[5]
क- पंचायतें गूंगी लाचार और अयोग्य हैं
ख- वे सही न्याय नहीं कर पाती
ग- वे दूध का दूध और पानी का पानी करती है
घ- वे अपने स्वार्थों को पूरा करती हैं

(2) भक्तिन पाठ में 'पहली कन्या के दो संस्करण' जैसे प्रयोग लेखिका के किस भाषाई संस्कार की पहचान कराता है?[6]
क- लेखिका की हिंदी भाषा पर पकड़ है
ख- ऐसा प्रयोग कथ्य को संप्रेषणीय बनाता है
ग- इस तरह के प्रयोग से लेखिका को प्रसन्नता मिलती है

---

[1] घ
[2] क
[3] ग
[4] ग
[5] क
[6] ख

घ- भाषा को अलंकारिक बनाने के लिए ऐसा ही प्रयोग जरूरी है

(3) भक्तिन के आ जाने से महादेवी वर्मा अधिक देहातिन कैसे हो गईं ? [1]

क- भक्तिन के डर के कारण

ख- भक्तिन के रूठ जाने के कारण

ग- केवल सफेद साड़ी पहनने के कारण

घ- लेखिका के अत्यधिक संकोची स्वभाव व देहातिन भक्तिन की संगति के कारण

(4) खोटे सिक्कों की टकसाल का क्या अर्थ है?[2]

क- निकम्मे काम करने वाली पत्नी

ख- बेकार पत्नी

ग- जिस टकसाल से खोटे सिक्के निकलते हैं

घ- कन्याओं को जन्म देने वाली पत्नी

(5) तीन- तीन कमाऊ वीरों की विधात्री बनकर मचिया के ऊपर पुरखिन बनकर कौन विराजमान थी?[3]

क- भक्तिन की सास

ख- भक्तिन

ग- भक्तिन की बेटी

घ- इनमें से कोई नहीं

(6) भक्तिन अपने सिर घुटाने को सही साबित करने के लिए लेखिका को क्या उत्तर देती है ?[4]

क- कोई उत्तर नहीं देती है

ख- शास्त्रसंबंधी बातें

ग- नरो व कुंजरो वा

घ- तीरथ गए मुँडाए सिद्ध

(7) भक्तिन लेखिका को कैसी चाय देती थी ?[5]

क- अदरक की

ख- तुलसी की

ग- दालचीनी की

घ- इलायची की

(8) भक्तिन अपने पति को क्या कहकर स्मरण करती है ?[6]

क- नाथ

ख- स्वामी

ग- जवान

घ- बुढ़ऊ

(9) भक्तिन के आने के बाद लेखिका स्वयं को क्या मानने लगीं ?[7]

क- शहरी

ख- अधिक देहाती

ग- अर्द्ध शहरी

घ- इनमें से कोई नहीं

(10) सेवक धर्म में भक्तिन किससे स्पर्धा करने वाली थी?[8]

क- राम से

ख- हनुमान से

ग- लक्ष्मण से

---

[1] घ [2] घ [3] क [4] घ [5] ख [6] घ [7] ख [8] ख

घ- विभीषण से

(11) अजिया ससुर किसे कहते हैं ?[1]

क- पति के चाचा को

ख- पति के मामा को

ग- पति के ढाढा को

घ- पति के पापा को

(12) भक्तिन के पति की मृत्यु के समय भक्तिन की आयु संबंधी सत्य कथन को पहचानें?[2]

क- भक्तिन के पति जीवित थे

ख- भक्तिन एक परित्यक्ता नारी थी

ग- भक्तिन के पति की उम्र 45साल थी

घ- भक्तिन के पति 29वर्ष के थे

(13) भक्तिन का गौना किस आयु में हुआ था?[3]

क- भक्तिन एक अविवाहित महिला थी

ख- उसका गौना 9 वर्ष की आयु में हुआ था

ग- उसकी शादी 8 वर्ष की आयु में हुई थी

घ- उस काल में गौने का कोई प्रचलन नहीं था

(14) भक्तिन का विवाह किस गांव में हुआ था?[4]

क- हंडिया

ख- झारखंड

ग- पटना

घ- समस्तीपुर

(15) भक्तिन के व्यवहार से संबंधित सही कथन को चुनें→→[5]

क- लेखिका ने छात्रों पर टीका टिप्पणी करने के लिए भक्तिन को अधिकार दिया था

ख- भक्तिन अपने आप को महत्त्वहीन साबित करना चाहती थी

ग- भक्तिन एक साक्षर व बुद्धिमान महिला थी

घ- भक्तिन लेखिका द्वारा आयोजित छात्रों की कक्षा में इंस्पेक्टर के समान टीका टिप्पणी करती थी

(16) भक्तिन का वास्तविक नाम क्या था?[6]

क- ढासिन

ख- भक्तिन

ग- लछमिन (लक्ष्मी)

घ- कोकिला

(17) भक्तिन का शूरवीर पिता किस गांव का रहने वाला था?[7]

क- मूंसी

ख- लूसी

ग- झूंसी

घ- हँड़िया

(18) हमारा समाज विधवा के साथ कैसा व्यवहार करता है?[8]

क- स्नेहपूर्ण

ख- असम्मानपूर्ण

ग- सहानुभूतिपूर्ण

---

[1] ग
[2] घ
[3] ख
[4] घ
[5] घ
[6] ग
[7] ग
[8] ख

घ- सम्मानपूर्ण

(19) भक्तिन के अलगौझा करने के बाद उसके हिस्से में क्या नहीं आया ?[1]

क- गाय और भैंसों की जोड़ी

ख- खूब सोना और चाँदी

ग- खेत-खलिहान

घ- अमराई के पेड़

(20) महादेवी ने लछमिन को भक्तिन कहना क्यों आरंभ कर दिया ?[2]

क- उसके व्यवहार को देखकर

ख- उसके वैराग्य पूर्ण जीवन को देखकर

ग- उसके गले में कंठी माला देखकर

घ- उसकी शांत मुद्रा को देखकर

बाज़ार दर्शन

प्रश्न 1- मनुष्य को किस स्थिति में बाज़ार जाना चाहिए ?[3]

क -जब मन खाली हो

ख -जब मन खाली न हो

ग -जब मन बंद हो

घ -जब मन में नकार हो

प्रश्न 2- बाज़ार के जादू का प्रभाव कब पड़ता है ?[4]

क - जब ग्राहक का मन खाली होता है

ख- जब ग्राहक का मन भरा हुआ होता है

ग- जब ग्राहक के साथ उसकी पत्नी होती है

घ- जब ग्राहक गरीब होता है

प्रश्न 3 - 'बाजारूपन' से आप क्या समझते हैं ?[5]

क- बाज़ार से सामान खरीदना

ख - बाज़ार से अनावश्यक वस्तुएं खरीदना

ग- बाज़ार से आवश्यक वस्तुएं खरीदना

घ- बाज़ार को सजाकर आकर्षक बनाना

प्रश्न 4 - बाजार दर्शन में किस प्रकार की भाषा का प्रयोग हुआ है ?[6]

क- साहित्यिक ब्रज भाषा का

ख- तद्भव प्रधान हिन्दी भाषा का

ग- सामान्य हिन्दी भाषा का

घ- बाज़ारू भाषा का

प्रश्न 5 - बाजार दर्शन का मुख्य प्रतिपाद्य क्या है ?[7]

क- बाज़ार के उपयोग का विवेचन

ख- बाज़ार से लाभ

ग- बाज़ार न जाने की सलाह

घ - बाज़ार जाने की सलाह

प्रश्न 6 - बाज़ार किसे देखता है ?[8]

क - धर्म को

ख - लिंग को

---

[1] ख
[2] ग
[3] ख
[4] क
[5] ख
[6] ग
[7] क
[8] घ

ग- जाति को

घ - क्रय शक्ति को

प्रश्न 7 - लेखक ने काल्पनिक जगत की वस्तु किसे कहा है ?[1]

क- ममता को

ख- समता को

ग - उदारता को

घ - लघुता को

प्रश्न 8 - चूरन बेचने वाले को लोग क्या कहते हैं ?[2]

क-नाथ जी

ख -जोगी जी

ग- भगत जी

घ- सेठ जी

प्रश्न 9-जैनेन्द्र कुमार के मित्र ने बाज़ार को क्या संज्ञा दी है ?[3]

क -शैतान का जाल

ख -जी का जंजाल

ग-आफत का घर

घ -आँखों का भ्रम

प्रश्न 10- लेखक ने 'बाज़ार दर्शन' पाठ में चूरन वाले को 'अकिंचित्कर' कहा है, जिसका अर्थ है -[4]

क- ठग

ख - भिखारी

ग - अर्थहीन

घ - व्यापारी

प्रश्न 11- बाज़ार का पोषण करने वाले अर्थशास्त्र को लेखक ने क्या नाम दिया है ?[5]

क- नीतिशास्त्र

ख- समाजशास्त्र

ग- अनीतिशास्त्र

घ- नागरिकशास्त्र

प्रश्न 12- लेखक ने किसे पावर कहा है ? [6]

क- बाज़ार को

ख- मित्र को

ग- पैसे को

घ- पत्नी को

प्रश्न 13- बाज़ार दर्शन पाठ में लेखक ने किसका वर्णन किया है ?[7]

क- साँप्रदायिकता

ख- उपभोक्तावाद का

ग- बाज़ार के जादुई प्रभाव का

घ- उत्पादों का

प्रश्न 14- लेखक के अनुसार संयमी लोग कैसे होते हैं ?[8]

क -फिजूल सामान को फिजूल मानते हैं

ख - फिजूल सामान को अच्छा मानते हैं

---

[1] ग

[2] ग

[3] क

[4] ग

[5] ग

[6] ग

[7] ग

[8] क

ग- वस्तुओं का अनावश्यक व्यय करते हैं
घ - इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 15- मनुष्य को सब ओर की चाह कब घेरती है ?[1]
क- जब उसे जरूरत का ज्ञान होता है
ख - जब उसे जरूरत का ज्ञान नहीं होता
ग - जब पैसा नहीं होता
घ- इनमें से कोई नहीं

काले मेघा पानी दे

1. वस्त्र के नाम पर केवल जाँघिया या लँगोटी बाँधने वाले समूह का नाम नहीं था→[2]
   क. इंदरसेना, जो इन्द्र भगवान के नाम पर जल का अर्घ्य स्वीकार करती थी
   ख. मेंढकमंडली, जो मेंढकों की तरह उछलकूद करती थी
   ग. गंगामैया टोली, जो गंगामैया की जय बोलती थी
   घ. नंग-धड़ंग टोली, जो शरीर पर न्यूनतम वस्त्र पहनती थी
2. रंगीन कुल्हियों में भूजा भरने का काम लेखक इस त्योहार पर करता था→[3]
   क. हरछठ, भाद्रपद कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि 'हलषष्ठी' या बलराम का जन्मदिन
   ख. जन्माष्टमी, भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी या श्रीकृष्ण का जन्मदिन
   ग. दीवाली, कार्तिक अमावस्या जिसे दीपोत्सव भी कहते हैं
   घ. अक्षयतृतीया या आखा तीज वैशाख मास में शुक्ल पक्ष की तृतीया
3. जीजी के अनुसार लाखों-करोड़ों रुपयों में कितने रुपये का दान नगण्य माना जाएगा?[4]
   क. करोड़ों में से एक-आध करोड़ का दान
   ख. लाखों में से दो-चार रुपये का दान करना
   ग. करोड़ों में से दो-तीन लाख का दान करना
   घ. करोड़ों में से दस-बीस हजार का दान करना
4. लेखक को कुमार-सुधार सभा का कौन-सा पद दिया गया था?[5]
   क. अध्यक्ष या संस्थाप्रमुख का पद दिया गया था
   ख. मंत्री या प्रबंधन का कार्य देखने वालों में प्रमुख
   ग. उपमंत्री या मंत्री के कार्यों में सहायता करने वाला
   घ. कोषाध्यक्ष या आय-व्यय का विवरण रखने वाला
5. जन्माष्टमी को लेखक कौन-सा कार्य करता था?[6]
   क. गोबर से सतिया बनाना
   ख. भुने अरवा चावल भरना
   ग. कौड़ियों से गोवर्धन बनाना
   घ. पंजीरी नामक विशेष मिठाई बाँटना
6. इंदर सेना के जयकारे की क्या प्रतिक्रिया होती थी?[7]
   क. लोग अपने घर की खिड़कियां दरवाजे बंद कर लेते
   ख. सभी लोग मेंढकों की तरह उछलने लगते थे।

---

[1] ख
[2] ग
[3] क
[4] ख
[5] ग
[6] घ
[7] घ

ग. लोग भी गंगा मैया के जयकारे लगाने लगते थे

घ. स्त्रियाँ और लड़कियाँ छज्जे व बारसे से इस टोली के क्रिया-कलाप देखने लगती थीं।

7. 'सतिया' किसका चिन्ह होता है ?[1]

क. स्वस्तिक का, जो हर प्रकार के शुभ कार्यों में बनाया जाता है

ख. त्रिशूल का, जो भगवान शिव का प्रमुख अस्त्र है

ग. डमरू का, भगवान शंकर का प्रमुख वाद्ययंत्र

घ. ओंकार का, जो परमात्मा का मुख्य निज नाम है

8. 'काले मेघा पानी दे' में किसके द्वंद्व का सुंदर चित्रण किया गया है ?[2]

क. समाजशास्त्र और विश्वास का

ख. विज्ञान का, जो वर्तमान में बहुत आगे बढ़ चुका है

ग. प्रचलित विश्वास और विज्ञान का

घ. लेखे-जोखे और विश्वास का

9. जेठ महीने का सबसे गर्म समय किस नाम से पुकारा जाता है ?[3]

क. लूतपा, क्योंकि उस समय लू भयानक रूप से चलती है

ख. प्रचंडतपा, क्योंकि प्रचंड धूप से जनजीवन त्रस्त रहता है

ग. तपा, क्योंकि उस समय हर वस्तु तप रही होती है

घ. दसतपा, क्योंकि दस दिनों तक भयानक गर्मी पड़ती है

10. जीजी के मतानुसार किसके बिना दान नहीं होता है ?[4]

क. समृद्धि के, क्योंकि देने के लिए धन-धान्य होना आवश्यक है

ख. त्याग के, क्योंकि देना मतलब त्याग करना होता है

ग. आस्था के, क्योंकि बिना श्रद्धा के आप कुछ नहीं कर सकते

घ. इच्छा के, क्योंकि बना इच्छा के कुछ भी करना संभव नहीं

सिल्वर वैडिंग

6. **सिल्वर वैडिंग कहानी के विषय में सत्य कथन है?**[5]

अ. यह कहानी एक आदर्शवादी व्यक्ति की है जो स्वयं को बदलते परिवेश में ढालने में सक्षम नहीं है।

ब. कहानी में परिवार के अन्य सदस्य संवेदनशील हैं वे यशोधर बाबू के प्रति सहानुभूति रखते हैं।

स. यशोधर बाबू के अलग थलग पड़ जाने में उनके परिवार का कोई योगदान नहीं है।

द.किशन दा यशोधर बाबू का भला चाहते थे, उन्होंने उन्हें हमेशा अच्छी राह दिखाई।

क. केवल अ

ख. अ और ब

ग. अ, ब, स तीनों

घ. अ और द

7. **कहानी की मूल संवेदना है→**[6]

क. आधुनिकता की चकाचौंध

ख. परायापन

---

[1] क

[2] ग

[3] घ

[4] ख

[5] घ

[6] ग

ग. पीढ़ी अंतराल

घ. संस्कारों की उपेक्षा

8. कथन :अपनी सिल्वर वैडिंग पर यशोधर बाबू ऊनी गाउन पाकर खुश नहीं हैं।
कारण :उन्होंने अपने पुत्र से इतने सस्ते उपहार की आशा नहीं की थी।

क. दोनों सही

ख. दोनों ग़लत

ग. कथन सही कारण ग़लत

घ. कथन ग़लत कारण सही

9. यशोधर बाबू अपने परिवार के लोगों से क्या अपेक्षा रखते हैं?[1]

अ. उन्हें समाज का सम्मानित बुजुर्ग समझा जाए

ब.बच्चे उनके कहे हुए को पत्थर की लकीर समझें।

स.कोई भी फ़ैसला लेते समय उनकी भी सहमति ली जाए

द. कोई भी उनसे सलाह मशविरा करके उनकी शांति में ख़लल न डाले।

क. अ और ब

ख. ब और स

ग. स और द

घ. स और अ

10. भरे पूरे परिवार में यशोधर बाबू स्वयं को अकेला पाते हैं क्योंकि →[2]

क. उनके मन में पुराने संस्कार घर कर चुके हैं

ख. वे धार्मिक प्रवृत्ति के हैं

ग. वे प्राचीन दायरे से बाहर नहीं निकल पाए

घ. इनमें से कोई नहीं

11. अपने सिल्वर वेडिंग के दिन यशोधर बहुत देर तक संध्या पूजन करते रहे। वे ऐसा क्यों कर रहे थे?[3]

क. यह उनका नित्य का नियम था।

ख. उन्हें रंग में भंग डालने में आनंद आता था।

ग. वे चाहते थे कि मेहमान चले जाएँ और उन्हें उनसे भेंट न करनी पड़े।

घ. वे अपने सुखद वैवाहिक जीवन के लिए विशेष प्रार्थना कर रहे थे।

12. इनमें से कौन सा कथन सर्वाधिक उपयुक्त है[4]

क. यशोधर बाबू के विचार पूरी तरह पुराने हैं और वे सहानुभूति के पात्र नहीं हैं।

ख. यशोधर बाबू में एक तरह का द्वंद्व है इसलिए उन्हें नया खींचता तो है पर पुराना छोड़ता नहीं। इसलिए उन्हें सहानुभूति के साथ देखने की ज़रूरत है।

ग. यशोधर बाबू एक आदर्श व्यक्तित्व हैं और नयी पीढ़ी द्वारा उनके विचारों को अपनाया जाना ही उचित है।

घ. इनमें से कोई नहीं

13. इनमें से कौन सी बात यशोधर पंत को समहाउ इंप्रापर लगती है ?[5]

अ.अपने बेटे की मोटी तनख़्वाह वाली नौकरी

ब .उनके बेटे द्वारा अपना वेतन उनके हाथ में न रखा जाना

स .किराए के घर में रहना

द .अपनी सिल्वर वैडिंग की पार्टी

क. केवल द

ख. अ और ब

---

[1] ग
[2] घ
[3] ग
[4] ग
[5] ख

ग. अ, ब, और द
घ. अ, ब, स और द

14. कहानी'सिल्वर वैडिंग' के अनुसार- "यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ ढल सकने में सफल होती हैं लेकिन यशोधर बाबू असफल रहते हैं|" यशोधर बाबू की असफलता का क्या कारण था? सही विकल्प का चयन कीजिए:-[1]
    क. किशन दा उन्हें भड़काते थे
    ख. पत्नी बच्चों से अधिक प्रेम करती थी
    ग. परिवर्तन को सहजता से न स्वीकार कर पाने के कारण
    घ. पीढ़ीगत अंतराल के कारण

15. सिल्वर वैडिंग कहानी में घटी निम्नलिखित घटनाओं का सही क्रम क्या है?[2]
    अ. यशोधर पंत के घर पर उनकी सिल्वर वैडिंग की पार्टी का आयोजन किया गया।
    ब. चड्ढा ने यशोधर बाबू से पार्टी माँगी।
    स. यशोधर बाबू को अपने जीजा जनार्दन जोशी की याद आ गयी।
    द. वे प्रवचन सुनने बिड़ला मंदिर गए
    क. अ,ब,स,द
    ख. अ,द,स,ब
    ग. ब,द,स,अ
    घ. ब,स,द,अ

16. यशोधर बाबू को उनके आफ़िस के लोग पसंद नहीं करते थे क्योंकि→[3]
    क. वे बहुत सख़्त थे तथा मातहतों को प्रताड़ित करते रहते थे
    ख. वे आलसी आदमी थे कोई भी काम समय से नहीं करते थे
    ग. वे समय के पाबंद थे तथा दूसरों से भी यही उम्मीद रखते थे
    घ. वे अपनी कहानियाँ सुना सुना कर थका देते थे।

17. सिल्वर वैडिंग के पात्र हैं →[4]
    क. यशोधर पंत, चड्ढा, मेनन, भूषण,गिरीश
    ख. यशोधर पंत,महेश्वर ,टिटी, अशोक
    ग. यशोधर पंत, मेनन,भूषण, अशोक
    घ. यशोधर पंत, राधिका, चड्ढा,किशन

18. यशोधर बाबू गोल मार्केट से सेक्रेट्रियट पैदल क्यों आने जाने लगे→[5]
    क. वे अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत हो गए थे तथा उन्हें समझ आ गया था कि पैदल चलने से बीमारियाँ दूर रहती हैं।
    ख. उनके बच्चों को पसंद नहीं था कि उनके पिता चपरासियों की तरह साइकिल चलाएँ।
    ग. किशन दा ने उन्हें समझाया था कि पैदल चलना अच्छी आदत है।
    घ. वे बहुत कंजूस थे एक-एक पैसे को दाँतों से पकड़ कर रखते थे।

19. सिल्वर वैडिंग कहानी में पात्रों के द्वारा बोले गए संवादों में कौन सा सही है→[6]
    क. यशोधर बाबू:मिक्चर मत पिलाइए गुरुदेव।चाय-मट्ठी-लड्डू बस इतना ही तो सौदा है।
    ख. मेननः मुझे आज सुबह बैठे-बैठे याद आया कि आपकी शादी छह फ़रवरी सन् सैंतालीस को हुई थी और इस हिसाब से आज उसे पूरे पच्चीस साल हो गए हैं।
    ग. भूषण : तो बब्बा, पहले जाकर संध्या कीजिए आपकी वजह से हम लोग कब तक रुके रहेंगे।
    घ. गिरीश : ज़िंदगी बना दी तुम्हारे सेकेंड क्लास बेटे की कहते हो बिगाड़ दिया।

---

[1] ग
[2] ग
[3] ग
[4] क
[5] ख
[6] ग

20. यशोधर बाबू ने किशन दा के पट्ट शिष्य तथा कार्यकर्ता की भूमिका निभाई इनमें से कौन सा काम उन्हें किशनदा से विरासत में नहीं मिला→[1]
    क. घर में होली गवाना
    ख. जन्यो पुन्यूं के दिन सब कुमाऊँनियों को जनेऊ बदलने के लिए अपने घर आमंत्रित करना
    ग. रामलीला की तालीम के लिए अपने क्वार्टर का एक कमरा दे देना
    घ. रासलीला का मंचन करवाना
21. यशोधर बाबू ने सिल्वर वैडिंग की पार्टी के नाम पर पैसे तो दिए लेकिन सारे सेक्शन के इसरार पर भी वह इस दावत के लिए नहीं रुके क्योंकि→[2]
    क. उन्हें बाज़ार बंद होने से पहले घर के लिए सब्ज़ी, दूध तथा दूसरी ज़रूरी चीजें लानी थी।
    ख. बिडला मंदिर में सत्संग के कार्यक्रम में देर हो सकती थी ।
    ग. मातहत लोगों के साथ बैठकर चाय-पानी या गप्प गप्पाष्टक में वक़्त बर्बाद करना उन्हें ठीक नहीं लगा।
    घ. वे चड्ढा के व्यवहार से बहुत दुखी थे और जल्दी से उस जगह से हट जाना चाहते थे।
22. किशन दा ने यशोधर बाबू को बताया कि गधा पचीसी में कोई क्या करता है यह मायने नहीं रखता। गधा पचीसी क्या है→[3]
    क. क्रोध की अवस्था जिसमें व्यक्ति का अपने पर नियंत्रण नहीं रह जाता।
    ख. वह स्थिति जब व्यक्ति प्रेम में अंधा हो जाता है।
    ग. परिपक्व होने से पहले की अवस्था जब व्यक्ति मस्तिष्क से कम भावनाओं से अधिक परिचालित होता है।
    घ. पचीस गधों के पास रहने के कारण
23. यशोधर बाबू की संतानों के संबंध में कौन सा कथन असंगत है→[4]
    क. उनका बड़ा लड़का भूषण एक विज्ञापन संस्था में नौकरी पा गया है।
    ख. उनका दूसरा बेटा दूसरी बार आई.ए.एस. देने की तैयारी कर रहा है।
    ग. उनका तीसरा बेटा स्कॉलरशिप लेकर अमरीका चला गया है।
    घ. उनकी बेटी डाक्टरी की उच्चतम शिक्षकों लिए यूरोप चले जाने की धमकी दे रही है।
24. लोग-बाग किस कारण यशोधर बाबू को ईर्ष्या का पात्र समझते हैं?[5]
    क. उनके सभी बच्चे कामयाब हैं और उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी है।
    ख. वे समय के पाबंद हैं तथा अपने काम को मन लगाकर करते हैं
    ग. बढ़ती उम्र में भी वे स्वस्थ हैं
    घ. वे आदर्शवादी हैं तथा परंपराओं से कटे नहीं हैं।
25. वर्तमान समय के कुछ बदलाव सुविधाजनक होते हुए भी बुजुर्गों को अच्छे नहीं लगते। इसके पीछे सबसे उपयुक्त कारण कौन सा हो सकता है?[6]
    क. वे नई पीढ़ी से जलते हैं और उसे अपने से आगे बढ़ते नहीं देख सकते।
    ख. नये परिवर्तन के साथ तालमेल बिठा पाने की क्षमता नहीं होने के कारण
    ग. नए परिवर्तन से तालमेल बिठाने की इच्छा न होने के कारण
    घ. इनमें से कोई नहीं
26. कथन: यशोधर बाबू को अपनी सिल्वर वैडिंग की पार्टी समहाउ इंप्रापर नहीं लगी।[7]
    कारण:उन्हें इस बात का संतोष था कि जितना खर्च उनके विवाह में नहीं हुआ उससे कहीं अधिक उनकी सिल्वर वैडिंग पर हो रहा था।
    क. कथन और कारण दोनों सही
    ख. कथन और कारण दोनों ग़लत
    ग. कथन सही कारण ग़लत

---

[1] घ
[2] ग
[3] ग
[4] घ
[5] क
[6] ग
[7] घ

घ. कथन ग़लत कारण सही

27. यशोधर बाबू ने केक काटा पर खाया नहीं उन्होंने केक न खाने का क्या कारण बताया?[1]
    क. मैंने अभी तक संध्या नहीं की है।
    ख. केक में अंडा होता है।
    ग. केक खाने से क़ब्ज़ होने का ख़तरा होता है।
    घ. मुझसे बिना पूछे केक क्यों मँगाया।
28. यशोधर बाबू आफिस से चलते-चलते अपने मातहतों से कोई न कोई मनोरंजक बात कहा करते थे। वे ऐसा क्यों करते थे?[2]
    क. इस बहाने दिन भर के शुष्क व्यवहार का निराकरण हो जाता था।
    ख. यह परंपरा उन्हें किशनदा से मिली थी।
    ग. दोनों सही
    घ. दोनों ग़लत
29. यशोधर बाबू गोल मार्केट छोड़कर दूसरी जगह नहीं जाना चाहते । पाठ के आधार पर इसका क्या कारण है→[3]
    क. गोल मार्केट से उनका कार्यालय पास ही है।
    ख. गोल मार्केट ढहाये जाने का उन्हें ग़म है।उस ग़म को मनाने के लिए यहाँ रहना ज़रूरी है।
    ग. गोल मार्केट में उनका क्वार्टर काफ़ी बड़ा और अच्छा है दूसरी जगह पर ऐसा क्वार्टर मिलना मुश्किल है।
    घ. उन्होंने किशन दा को वचन दिया था कि जीते जी गोल मार्केट छोड़कर कहीं नहीं जाएँगे।
30. कथन1: यशोधर बाबू की पत्नी अपने मूल संस्कारों से पूरी तरह आधुनिक हैं।[4]
    कथन 2: उन्हें आधुनिक बनाने में उनके द्वारा अपने बच्चों की तरफ़दारी करने की मजबूरी मातृसुलभ मजबूरी का कोई हाथ नहीं है।
    क. दोनों सही
    ख. दोनों ग़लत
    ग. पहला सही दूसरा ग़लत
    घ. पहला ग़लत दूसरा सही
31. जब यशोधर बाबू के बच्चे अपने गरीब रिश्तेदारों की उपेक्षा करते हैं। तब यशोधर बाबू की प्रतिक्रिया क्या होती है ?[5]
    क. वे बनावटी ग़ुस्सा दिखाते हैं पर मन ही मन खुश भी होते हैं क्योंकि रिश्तेदारों नें उनके साथ भी कोई अच्छा व्यवहार नहीं किया था।
    ख. वे बच्चों पर बहुत क्रोधित होते हैं और ऐसा करने पर घर से निकाल देने की नसीहत देते हैं।
    ग. वे उन्हें बड़े प्यार से समझाते हैं ।
    घ. यह बात उन्हें अच्छी तो नहीं लगती पर जैनरेशन गैप को दोष देकर अपने मन को तसल्ली दे लेते हैं।
32. किशन दा के रिटायर होने पर यशोधर बाबू उनकी सहायता क्यों नहीं कर पाए। कहानी सिल्वर वैडिंग के आधार पर सही विकल्प का चयन करें→[6]
    क. यशोधर बाबू की पत्नी किशन दा से नाराज़ रहती थीं।
    ख. क्योंकि यशोधर बाबू के घर में स्थान का अभाव था।
    ग. यशोधर बाबू का अपना भी परिवार था जिसे वे नाराज नहीं करना चाहते थे।
    घ. यशोधर बाबू ने किशनदा को अपने घर में एक कमरा देना चाहा था जिसे किशनदा ने लेने से इनकार कर दिया
33. यशोधर बाबू किशनदा की मृत्यु के संदर्भ में कहते हैं जो हुआ होगा। इस बात से कहानीकार का क्या आशय है?[7]
    क. यशोधर बाबू को किशनदा की मृत्यु का बहुत दुख है।

---

[1] ख
[2] ग
[3] ख
[4] ख
[5] घ
[6] ग
[7] ख

ख. यशोधर बाबू मृत्यु के कारण से अपरिचित हैं।

ग. यशोधर बाबू को मृत्यु का कारण पता है।

घ. उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता

34. यशोधर बाबू के प्रति उनके बच्चों का व्यवहार→[1]

क. उचित था। ऐसे दक़ियानूसी लोगों के साथ इसी तरह का व्यवहार होना चाहिए।

ख. बिल्कुल अनुचित था। अपने से बड़ों के साथ ऐसा व्यवहार बिल्कुल भी अच्छा नहीं है।

ग. उम्मीद से कहीं अच्छा था। आजकल के बच्चे तो अपने माता पिता की पिटाई भी कर देते हैं।

घ. बेहतर हो सकता था। बच्चों के द्वारा उनको सहानुभूति से देखा जा सकता था।

35. "एवरीवडी गान, पार्टी ओवर" इस कथन से यशोधर बाबू का कौन सा भाव प्रकट होता है?[2]

क. वे मेहमानों के चले जाने से खुश हैं अब वे आज़ादी से गमछा पहने रह सकते हैं।

ख. उनको मेहमानों के चले जाने से निराशा है वे भी उनके साथ बैठकर कुछ बातें करना चाहते थे।

ग. केवल सूचना देने के भाव से बेटी को बता रहे हैं ताकि वह बाक़ी काम पूरे कर सके।

घ. कुछ कहा नहीं जा सकता

जूझ (बहुविकल्पीय प्रश्न)

1. जूझ साहित्य की किस विधा में लिखा गया है?[3]

(क) कहानी

(ख) आत्मकथात्मक उपन्यास।

(ग) संस्मरण

(घ) रेखाचित्र।

2 दादा राव सरकार का नाम सुनते ही उनसे मिलने क्यों चला गया?[4]

(क) राव सरकार गाँव के सम्मानित व्यक्ति थे।

(ख) दादा राव सरकार से डरता था।

(ग) दादा ने राव सरकार से उधार ले रखा था।

(घ) उपयुक्त में उपर्युक्त में से कोई भी नहीं।

3 "जूझ" पाठ के अनुसार कविता के प्रति लगाव से पहले और उसके बाद अकेले पन के प्रति लेखक की धारणा में क्या बदलाव आया? [5]

(क) अकेलापन डरावना है।

(ख) अकेलापन उपयोगी है।

(ग) अकेलापन आवश्यक है।

(घ) अकेलापन सामान्य प्रक्रिया है।

4 " जूझ" पाठ के अनुसार पढ़ाई लिखाई के संबंध में लेखक और दत्ताजीराव का रवैया सही था।आपके विचार क्या है?[6]

(क) लेखक खेती- बाड़ी नहीं करना चाहता था।

(ख) दत्ताजीराव जानते थे कि खेती -बाड़ी से लाभ नहीं है।

(ग) लेखक का पढ़-लिखकर सफल होना आवश्यक था।

(घ) लेखक का पिता नहीं चाहता था कि वह आगे की पढ़ाई करें।

5 कविता के प्रति रुचि जगाने में किसकी भूमिका महत्वपूर्ण रही है ? "जूझ " कहानी के आधार पर सटीक विकल्प का चयन कीजिए।[7]

---

[1] घ [3] ख [5] ख [7] ग

[2] घ [4] क [6] ख

(क) अनन्दा की।

(ख) दत्ता राव की।

(ग) मा० सौंदलगेकर की।

(घ) पाटिल की।

6 "जूझ "कहानी में कौनसी बात आपको सर्वाधिक प्रेरक लगती है?सही विकल्प का चयन कीजिए।[1]

(क) पाटिल का जुझारूपन

(ख) दत्ता का जुझारूपन

(ग) आनन्दा का जुझारूपन।

(घ) माता का जुझारूपन।

7 स्वयं कविता रच लेने का आत्मविश्वास लेखक में कैसे पैदा हुआ ?[2]

(क) मास्टर सौंदलगेकर की कविता पढ़ने के ढंग से

(ख) मराठी कविताओं को पढ़ने के कारण

(ग) छंद, गति, लय आदि को जान लेने के बाद

(घ) कविता में रूची होने के कारण।

8 जूझ कहानी के लेखक द्वारा कौन -कौन सी विशेषताएँ आपको आकर्षित करती है? सटीक विकल्प का चयन कीजिए।[3]

(क) पढ़ने की ललक,

(ख) कठोर, परिश्रमी, लगनशील,

(ग) दूरदर्शी , संघर्षशील

(घ) ये सभी।

9. सारे गाँव भर में लेखक के घर सबसे पहले कोल्हू क्यों चलता था ?[4]

(क) उसके दादा को हर काम में जल्दी रहती थी।

(ख) दादा कोल्हू पेरने के बाद कुछ दिनों के लिए शहर चला जाता था।

(ग) उनका गुड बहुत अच्छा नहीं था। अतः बाजार में ज्यादा गुड़ आ जाने पर उसके गुड़ को कोई नहीं पूछता।

(घ) आनन्दा सभी काम पहले करने में विश्वास करता था।

10. आनंदा और उसकी माँ ने राव जी को किस बात के लिए सचेत कर दिया था ? [5]

(क) उन दोनों के उनके पास आने की बात दादा को न बताएं।

(ख) दादा को खेतों में काम करने के लिए विवश करें।

(ग) दादा का बाहर घूमना बंद कर दिया जाए।

(घ) आनंदा को खेतों में काम ना करने दिया जाए।

11. दादा ने दत्ता जी राव के सामने आनंद को विद्यालय से निकालने का क्या कारण बताया?[6]

(क) आनंद चौथी कक्षा में अनुत्तीर्ण हो गया था।

(ख) आनंद को चोरी करने,सिनेमा देखने और खेती के काम से जी चुराने की आदत पड़ गई है।

(ग) आनंद को पढ़ाने के लिए पैसे नहीं हैं।

(घ) उपरोक्त सभी।

---

[1] ग [3] घ [5] क

[2] क [4] ग [6] घ

12. जूझ' कहानी में लेखक के पिता ने उसे विद्यालय भेजने के लिए क्या शर्त रखी ? [1]

(क) पाठशाला जाने से पहले ग्यारह बजे तक खेत में काम करना होगा तथा पानी लगाना होगा।

(ख) अगर किसी दिन खेत में ज्यादा काम होगा तो उसे पाठशाला नहीं जाना होगा।

(ग) छुट्टी होने के बाद घर में बस्ता रखकर सीधे खेत पर आकर घंटा भर ढोर चराना होगा।

(घ)उपरोक्त सभी

13. जूझ पाठ का शीर्षक उपयुक्त है क्योंकि --[2]

(क) पाठ में मुख्य नायक (लेखक) के संघर्ष से जूझने की प्रवृत्ति के कारण ।

(ख) लेखक पढ़ता रहता था ।

(ग) लेखक खेती के काम में संघर्ष करता था ।

(घ) लेखक की माता के संघर्ष से जूझने की प्रवृत्ति के कारण ।

14. जूझ कहानी से क्या शिक्षा मिलती है ?[3]

(क) खेतीबाड़ी में कोई भविष्य नहीं होता ।

(ख) अच्छे कार्य के लिए झूठ बोलना गलत नहीं है ।

(ग) सहपाठी तो हंसी मज़ाक करते हैं । उनसे दोस्ती बना कर रखनी चाहिए ।

(घ)जीवन में कितनी तकलीफें क्यों न आयें,हमें हमेशा जुझारू रहना चाहिए ।

15. मंत्री गणित के अध्यापक के बारे में कौन सी बातें असत्य है ? [4]

(क) वह उधम करने वाले बच्चों की पिटाई कर देते थे ।

(ख) वह पढ़ाई करने वाले लड़कों को शाबाशी देते ।

(ग) बच्चे 'मंत्री' गणित के अध्यापक के डर से पढ़कर आते ।

(घ) मंत्री अध्यापक बच्चों को रोज दो कविताएं सुनाते थे ।

16. मराठी अध्यापक के अध्यापन के विषय में क्या असत्य है ?[5]

(क) वे कविता को सुरीले गले ,छंद की बढ़िया चाल, रसिकता के साथ पढ़ाते थे ।

(ख) वे अभिनय के साथ कविता का भाव ग्रहण कराते ।

(ग) वे प्रसिद्ध कवियों के संस्मरण भी सुनाते ।

(घ) कविता सुनाते समय अगर कोई बच्चा बोल दे तो उसकी पिटाई कर देते ।

17. चाँद रात पसरिते' कविता किस कवि की है?[6]

(क)अनंत काणेकर

(ख) दिनकर

(ग) केशव कुमार

(घ) दुष्यंत कुमार

18. आनंदा और उसकी माँ द्वारा झूठ का सहारा ना लिए जाने की स्थिति में क्या होता ? [7]

(क) आनंदा के जीवन में अकेलापन ठहर जाता ।

(ख) वह अपनी कविता लिखने के गुण को नहीं निकाल पाता ।

(ग) वह शिक्षित होने से वंचित रह जाता ।

---

[1] घ
[2] क
[3] घ
[4] घ
[5] घ
[6] क
[7] घ

(घ)उपर्युक्त सभी

19. जूझ' कहानी में आनंदा के उच्च स्तरीय कवि बनने तक का सफर किस बात का प्रमाण है ? [1]

(1) उसके परिश्रम एवं लगन का (2) पिता की बात को महत्व ना देने का

(3) झूठ बोल कर पढ़ाई करने का (4) उसके संघर्ष करने का

(क) 1 और 2

(ख) 1 और 4

(ग) 3 और 2

(घ) 3 और 4

20. आनंदा के पिता द्वारा स्वयं खेती ना करके अपने बेटे से खेती का काम करवाना उनके किस चरित्र की ओर संकेत करता है? [2]

(क) पिता अपने बेटे को परिश्रमी बनाना चाहता है।

(ख) पिता के आलसी और कमजोर कामचोर रूप को दर्शाता है।

(ग) पिता दूरदर्शी है।

(घ) पिता के लिए पुत्र ही उसका सब कुछ है।

21. आनंदा जब पहले दिन पाठशाला गया तो उसकी क्या प्रतिक्रिया हुई?[3]

(1)वह क्रोधित हुआ। (2) उसकी खुशी का ठिकाना ना रहा

(3) वह अत्यंत उदास था। (4)उसकी कोई प्रतिक्रिया नहीं थी।

(क) केवल 1

(ख)1 और 4

(ग) 1और 2

(घ) 2और 3

22. क्या होता अगर दादा भी दत्ताजीराव की तरह सोचते ----[4]

(1)दादा अपने बेटे को जरूर पढ़ाते। (2) दादा अपने बेटे को आलसी और कमजोर कामचोर बनाने में सहायक होते।

(3) दादा अपने बेटे को खेत में काम करवाते । (4) दादा के लिए पुत्र ही उसका सब कुछ होता।

(क) केवल 1

(ख)1 और 4

(ग) 1और 2

(घ) 2और 3

23. क्या होता यदि जूझ का नायक पढ़ाई न करके खेतों में काम करता और पशु चराता।[5]

(1) उसे सब लोग जानते थे। (2) वह लेखक नहीं बन पाता था और उसे साहित्य अकादमी पुरस्कार भी नहीं मिलता था।

(3) वह एक अच्छा किसान बना जाता था। (4) उसकी कविता अखबारों में प्रकाशित होती थी।

(क) 2 और 4 (ख)1 और 4 (ग) 1और 2 (घ) 2और 3

24 नीचे एक कथन और उसके दो कारण दिए गए।दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए।[6]

कथन--बालिस्टर होने वाला नहीं है तू?

कारण - (1) दादा को पढ़ाई- लिखाई बिल्कुल पसंद न था।

---

[1] ख [3] घ [5] घ

[2] ख [4] ख [6] ख

(2) आनंदा से वह खेत में काम करवाना चाहता था तथा स्वयं स्वतंत्र रहकर घूमना चाहता था।

(क) कारण 1 सही है।

(ख) कारण 2 सही है।

(ग) कारण दोनों सही है।

(ग) कारण दोनों गलत है।

25 नीचे एक कथन और उसके दो कारण दिए गए।दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए।[1]

कथन—लेखक का दादा कोल्हू जल्दी क्यों चलाता था।

कारण - (1) वह बहुत मेहनती था।

(2) वह अपने बनाएँ गुड़ के अच्छे दाम प्राप्त करना चाहता था।

(क) कारण 2 सही है।

(ख) कारण 21 सही है।

(ग) कारण दोनों सही है।

(ग) कारण दोनों गलत है।

26. नीचे एक कथन और उसके दो कारण दिए गए।दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए।[2]

कथन—लेखक पढ़ना चाहता था।

कारण - (1) पढ़ना -लिखना उसे पसंद था तथा पढ़- लिखकर वह नौकरी कर धन कमाना चाहता था।

(2) उसके अनुसार खेती का कोई भविष्य नहीं था।

(क) कारण 1 सही है।

(ख) कारण 2 सही है।

(ग) कारण दोनों सही है।

(घ) कारण दोनों गलत है।

27. खेत में काम करते हुए अगर लेखक के पास कागज और पेंसिल न होते तो वह क्या करता ?[3]

(क) वह लकड़ी के छोटे टुकड़े से भैंस की पीठ पर रेखा खींच कर लिखता या किसी शिला पर कंकड़ से।

(ख) वह अपनी हथेली पर लिखता।

(ग) वह उस दिन उदास हो जाता और कुछ न लिखता।

(घ) वह स्लेट पर लिखता।

28. 'जूझ' कहानी के नायक द्वारा पढ़ाई के साथ-साथ खेती का काम करने का क्या प्रभाव पड़ा ?[4]

(1)उसकी पढ़ाई के प्रति रुचि कम हो गई। (2)उसका मन निराशा और खीझ से भर गया।

(3)वह अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल रहा। (4)प्रतिकूल परिस्थितियों ने उसके दृढ़ निश्चय को तोड़ दिया

(क) 2 और 4

(ख)3 और 4

(ग) 1और 2

(घ) 2और 3

29. मराठी अध्यापक के अध्यापन के विषय में क्या असत्य है ? [5]

(क) वे कविता को सुरीले गले ,छंद की बढ़िया चाल, रसिकता के साथ पढ़ाते थे।

---

[1] क [3] क [5] घ

[2] ग [4] ख

(ख) वे अभिनय के साथ कविता का भाव ग्रहण कराते।

(ग) वे प्रसिद्ध कवियों के संस्मरण भी सुनाते।

(घ) कविता सुनाते समय अगर कोई बच्चा बोल दे तो उसकी पिटाई कर देते।

30. नीचे एक कथन और उसके दो कारण दिए गए।दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए।[1]

कथन— आनंद का विश्वास विद्यालय में पुनः बढ़ने लगा

कारण - (1) मंत्री अध्यापक से वाह वाही मिलने के कारण

(2) अध्यापकों के अपनेपन और वसंत पाटिल से दोस्ती के कारण

(क) कारण 1 सही है।

(ख) कारण 2 सही है।

(ग) कारण दोनों सही है।

(ग) कारण दोनों गलत है।

***

[1] ख

अतिरिक्त अभ्यासार्थ 100 अन्य प्रश्न

लोकतंत्र के तीनों पायो- विधायिका,कार्यपालिका और न्यायपालिका का अपना महत्त्व है किंतु जब प्रथम दो अपने मार्ग या उद्देश्य के प्रति शिथिल होती हैं या संविधान के दिशा-निर्देशों की अवहेलना होती है तो न्यायपालिका का विशेष महत्त्व हो जाता है | न्यायपालिका ही है जो हमें आईना दिखाती है ,किंतु आईना तभी उपयोगी होता है जब उसमें दिखाई देने वाली चेहरे की विद्रूपता को सुधारने का प्रयास हो | सर्वोच्च न्यायालय के अनेक जनहितकारी निर्णयों को कुछ लोगों ने न्यायपालिका की अतिसक्रियता माना, पर जनता को लगा कि न्यायालय सही है। राजनीतिक चश्मे से देखने पर भ्रम की स्थिति हो सकती है।प्रश्न यह है कि जब संविधान की सत्ता सर्वोपरि है तो उसके अनुपालन में शिथिलता क्यों होती है? राजनीतिक दलगत स्वार्थ या निजी हित आड़े आ जाता है और यही भ्रष्टाचार को जन्म देता है। हम कसमें खाते हैं और यही भ्रष्टाचार को जन्म देता है। हम कसमें खाते हैं और जनकल्याण की ओर कदम उठाते हैं, आत्मकल्याण के | ऐसे तत्वों से देश को, समाज को सदा खतरा रहेगा | अतः जब कभी कोई न्यायालय ऐसे फैसले देता है जो समाज कल्याण के हों और राजनीतिक ठेकेदारों को उनकी औकात बताते हों, तो जनता को उसमें, आशा की किरण दिखाई देती है । अन्यथा तो वह अन्धकार में जीने को विवश है ही।

प्र.1. उपरोक्त गद्यांश किस विषयवस्तु पर आधारित है ?[1]

1. विधायिका का महत्त्व
2. कार्यपालिका का महत्त्व
3. न्यायपालिका का महत्त्व
4. लोकतंत्र का महत्त्व

प्र.2. लोकतंत्र के कितने पाये हैं ?[2]

1. एक
2. दो
3. चार
4. तीन

प्र.3. हमें आईना कौन दिखाती है ?[3]

1. न्यायपालिका
2. विधायिका
3. कार्यपालिका
4. उपरोक्त सभी

प्र.4. किसकी सत्ता सर्वोपरि है ?[4]

1. न्यायपालिका
2. विधायिका
3. कार्यपालिका
4. संविधान

प्र.5.न्यायपालिका का विशेष महत्त्व कब हो जाता है ?[5]

1. जब संविधान के दिशा-निर्देशों की अवहेलना होती है |

---

[1] 3
[2] 4
[3] 4
[4] 1
[5] 4

2. जब विधायिका की अवहेलना होती है |
3. जब कार्यपालिका की अवहेलना होती है |
4. जब लोकतंत्र की अवहेलना होती है

प्र.6. भ्रष्टाचार का जन्म कैसे होता है ?[6]

1. राजनीतिक-दलगत स्वार्थ से
2. निजी हित के आड़े आने से
3. 'क' और 'ख' दोनों
4. उपरोक्त में कोई नहीं

प्र.7. अंधकार में जीने को कौन विवश है ?[7]

1. जनता
2. राजनेता
3. आँफिसर
4. मंत्री

प्र.8. यदि न्यायपालिका जनता की सुध न ले तो उनकी सुध लेने वाला कौन है ?[8]

1. कार्यपालिका
2. विधायिका
3. सरकार
4. कोई नहीं

प्र.9. न्यायपालिका किसकी औकात बताती है ?[9]

1. नेताओं और अफसरों की
2. जनता की
3. मजदूरों की
4. किसानों की

प्र.10. जनता को आशा की किरण कहाँ दिखाई देती है ?[10]

1. जब न्यायपालिका नेताओं और अफसरों को उनकी औकात बताती है |
2. मंत्रिमंडल में
3. गृहमंत्रालय में
4. रेलमंत्रालय में

हमारा देश घनी आबादी वाला देश है । हम अधिक संख्या में महिलाओं और पुरुषों को खेल के क्षेत्र में प्रोत्साहन दे सकते हैं । सर्वप्रथम, अच्छे खिलाड़ियों का चुनाव उनके बाल्यकाल से ही कर लिया जाना चाहिए । उनकी प्रतिभा और विभिन्न खेलों में रुचि की दृष्टि से उन्हें भिन्न-भिन्न वर्गो में विभाजित किया जाना चाहिए ।तत्पश्चात उन्हें उचित प्रशिक्षण की सुविधाएं उपलब्ध करानी चाहिए ताकि उनकी प्रतिभा का विकास हो सके । साथ ही सरकार को भी उन योग्य खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर उन्हें प्रोत्साहन देना चाहिए । सरकार को

---

[6] 3
[7] 1
[8] 4
[9] 1
[10] 1

इस कार्य को सामाजिक कल्याण के स्तर पर करना चाहिए । खेलों में सुधार के लिए पटियाला में स्थापित खेल संस्थान की भांति अन्य स्थानों पर भी संस्थान खोले जाने चाहिए । उचित प्रशिक्षण के द्वारा ही भारत में खेलों का स्तर ऊँचा उठ सकता है ।हमारे देश में खेल के क्षेत्र की उपलब्धियाँ अत्यंत क्षीण हैं, लेकिन यह भी सत्य है कि हमारे देश में प्रतिभा की कमी नहीं है । यदि स्वस्थ वातावरण तैयार किया जाए और चयन उचित प्रक्रिया द्वारा किया जाए, तो हम इस क्षेत्र में बहुत कुछ कर सकते हैं ।किसी वरिष्ठ खिलाड़ी के सम्मान के लिए कार्यक्रम या अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के आयोजन द्वारा यह लक्ष्य प्राप्त नहीं हो सकता । इसके लिए अपने खिलाड़ियों को प्रत्येक सुविधा प्रदान कराना जरूरी है, ताकि वे अंपने खेल को गंभीरतापूर्वक लें । इन आवश्यक प्रयासों के द्वारा ही विश्व के खेल मानचित्र पर भारत का नाम अंकित हो पाएगा। भारत की स्वतंत्रता के समय और उसके आसपास भारत में राष्ट्रीय खेल हॉकी का प्रदर्शन संपूर्ण जगत में लाजवाब था हॉकी में कई बार हमें स्वर्ण पदक मिला परंतु धीरे-धीरे इस खेल में गिरावट आई। क्रिकेट की बढ़ती व्यवसायिकता और इसमें छिपे धन वैभव ने खिलाड़ियों को सिर्फ इसी खेल की ओर आकृष्ट किया । बोर्ड ऑफ क्रिकेट कंट्रोल इन इंडिया ने क्रिकेट को सर्वोच्च शिखर पर पहुंचा दिया पर आम जनता से अन्य खेलों की दूरी भी बढ़ती गई। हमें सभी खेलों के विकास पर ध्यान देना होगा। पिछले 20-25 वर्षों में ओलंपिक तथा एशियाई खेलों में विभिन्न खेलों में भारत के द्वारा हासिल की गई उपलब्धियां यह बात दर्शाती है कि हमने अब विभिन्न खेलों के क्षेत्र में उपलब्धियां पाना प्रारंभ कर दिया है। यह सिलसिला रूकना नहीं चाहिए।

प्र.11. अच्छे खिलाड़ियों का चुनाव किस अवस्था में करना चाहिए-[11]

1. युवावस्था में
2. किशोरावस्था में
3. बाल्यकाल में
4. इनमें से कोई नहीं

प्र.12. सरकार खिलाड़ियों को किस प्रकार प्रोत्साहित कर सकती है?[12]

1. उन्हें पुरस्कृत कर
2. नि:शुल्क पुस्तकें प्रदान कर
3. मुफ्त भोजन देकर
4. उन्हें विदेश यात्रा कराके

प्र.13. सरकार को खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने का कार्य किस स्तर पर करना चाहिए?[13]

1. आर्थिक कल्याण स्तर पर
2. सामाजिक कल्याण स्तर पर
3. मध्यम वर्ग के स्तर पर
4. शहरी जनता के स्तर पर

प्र.14. निम्नलिखित कथनों पर विचार कर पूछे गए प्रश्न सही विकल्प चुनिए-[14]

क पटियाला का खेल संस्थान खेलों में सुधार करता है।

ख हमें ऐसे अन्य संस्थानों की आवश्यकता नहीं है।

1 कथन क सत्य है ख गलत है
2. कथन ख सत्य है क गलत है
3. दोनों कथन सत्य हैं।
4. दोनों कथन असत्य है

---

[11] 3
[12] 1
[13] 2
[14] 1

प्र.15. खिलाड़ी कब अपने खेल को गंभीरता से लेंगे ?[15]

1. वरिष्ठ खिलाड़ी का सम्मान करने पर
2. अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के आयोजन से
3. उन्हें सुविधा प्रदान करने से
4. उन्हें जीवन के सारे सुख मुफ्त प्रदान करके

प्र.16. निम्नलिखित में से कौन सा कथन असत्य है-[16]

1. भारत घनी आबादी वाला देश है।
2. हमारे देश में प्रतिभाओं की कमी नहीं है।
3. क्रिकेट की ओर बढ़ता आकर्षण इसका राष्ट्रीय खेल होना है।
4. पिछले कुछ वर्षों में कई खेलों के प्रति आकर्षण बढ़ा है।

प्र.17. घनी आबादी वाला देश होने के बावजूद भी भारत कई खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाता इसकी क्या वजह हो सकती है?[17]

1. आधारभूत सुविधाओं का अभाव
2. शारीरिक शक्ति क्षीण होना
3. अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम का ना होना
4. सरकार द्वारा खेलों पर रोक लगाया जाना

प्र.18. भारत में क्रिकेट को आगे बढ़ाने वाली संस्था कौन सी है ?[18]

1. बी एस सी आई
2. बी सी एस आई
3. बी सी सी आई
4. बी सी आई एस

प्र.19. "आकृष्ट " शब्द का सही अर्थ क्या है ?[19]

1. अपनी ओर खींचना
2. देखने का नजरिया
3. आने की कोशिश
4. अदृश्य हो जाना

प्र.20. उपरोक्त गद्यांश का सही शीर्षक क्या हो सकता है?[20]

1. सरकार द्वारा खेल की उपेक्षा
2. क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता
3. भारत में खेलों का विकास
4. पढ़ाई बनाम खेल

---

[15] 3
[16] 3
[17] 1
[18] 3
[19] 1
[20] 3

नीचे दिए गए पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ें और दिए गए प्रश्नों (प्रश्न संख्या 21 से 25) के उत्तर सही विकल्प का चयन करके दीजिए-

साकार, दिव्य गौरव विराट !
पौरुष के पुंजीभूत ज्वाल !
मेरी जननी के हिमकिरीट !
मेरे भारत के दिव्य भाल !

मेरे नगपति ! मेरे विशाल !
युग-युग अजेय, निर्बन्ध, मुक्त,
युग-युग गर्वोन्नत नित महान,
निस्सीम व्योम में तान रहे,
युग से किस महिमा का वितान ?

कैसी अखंड यह चिर समाधि ?
यतिवर ! कैसा यह अमर ध्यान ?
तू महाशून्य में खोज रहा
किस जटिल समस्या का निदान ?

उलझन का कैसा विषम-जाल
मेरे नगपति! मेरे विशाल !

प्र.21. 'हिमालय नें हिम किरीट धारण कर रखा है' इस पंक्ति का आशय है-[21]

1. हिमालय ठंडा मुकुट पहने रहता है
2. हिमालय के पास बर्फ का मुकुट है जिसे वह गर्मियों के दिनों में धारण करता है.
3. हिमालय की चोटियों पर बर्फ जमी रहती है जिससे ऐसा लगता है जैसे उसने बर्फ का मुकुट धारण कर रखा हो
4. हिमालय भारत का स्वर्णिम मुकुट है

प्र.22. कविता की किस पंक्ति में कहा गया है कि हिमालय शक्ति की ज्वालाओं का ढेर है ?[22]

1. युग-युग अजेय, निर्बन्ध, मुक्त
2. मेरे भारत के दिव्य भाल
3. पौरुष के पुंजीभूत ज्वाल
4. साकार, दिव्य गौरव विराट

प्र.23. 'जिसे जीता न जा सके' उसके लिए कविता में कवि नें कौन सा शब्द प्रयुक्त किया है ?[23]

1. अजेय
2. अखंड
3. अमर
4. नगपति

[21] 3
[22] 3
[23] 1

प्र.24. हिमालय को 'यतिवर' ! कहकर संबोधित किया गया है, क्योंकि-[24]

1. भारत की सीमाओं का प्रहरी है
2. वह दुनिया के सभी पर्वतों का स्वामी है
3. वहां हिमालय पर भगवान शिव समाधि में लीन है
4. वह ध्यान लगाकर किसी समस्या का हल ढूँढ रहा है

प्र.25. इस कवितांश को ध्यान से पढ़िए और विचार कीजिये कि हिमालय हमारे लिए क्यों इतना महत्वपूर्ण है ?[25]

1. सामरिक महत्व के कारण
2. पौराणिक महत्व के कारण
3. भौगोलिक महत्व के कारण
4. ऊपर दिए गए सभी विकल्प सही है

नीचे दिए गए पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ें और दिए गए प्रश्नों (प्रश्न संख्या 26 से 30) के उत्तर सही विकल्प का चयन करके दीजिए-

दिशाएँ निमंत्रण मुझे दे रही हैं,
सफलता का यह द्वार मेरे लिए है ॥

न अवरोध कोई न बाधा कहीं है,
न संदेह कोई न व्यवधान कोई ।
अटल एक विश्वास मन में भरा है,
नहीं पथ-डगर आज अनजान कोई ॥

हृदय में कहीं कह रहा बात कोई,
धरा औ गगन सिर्फ़ तेरे लिए है ॥

नहीं कुछ यहां जो मुझे रोक पाए,
न कोई यहाँ जो मुझे टोक पाए ।
अजानी हवा में बहे जा रहा हूँ
मुझे आज लगता कि मैं वह नहीं हूँ ॥

रही जगमगा इंद्रधनुषी दिशाएँ,
दिगंतर मंदिर रस अलौकिक पिए हैं ॥

प्र.26. कविता की किस पंक्ति से लगता है कि कवि का व्यक्तित्व अब पूरी तरह से बदल गया है और वह जीवन में कुछ नया करेगा?[26]

1. अटल एक विश्वास मन में भरा है
2. अजानी हवा में बहे जा रहा हूँ
3. नहीं कुछ यहां जो मुझे टोक पाए
4. मुझे आज लगता कि मैं वह नहीं हूँ

---

[24] 4
[25] 4
[26] 4

प्र.27. कवि को अपनी सफलता पर अटल विश्वास क्यों है ?[27]

1. उसे अब हर दिशा व मार्ग परिचित सा लगता है।
2. दिशाएँ उसे बुला रही हैं।
3. उसे रोक-टोक करने वाला कोई नहीं है।
4. कवि को लगता है कि सफलता पाना बहुत सरल है।

प्र.28. दिशाएँ कवि को बुला कर क्या करने लिए आमंत्रित कर रही हैं ?[28]

1. कविता पाठ करने के लिए
2. अनजान रास्तों से बचने के लिए
3. संदेह दूर करने के लिए
4. सफलता प्राप्त करने के लिए

प्र.29. हमें अपने जीवन में किसी कार्य को करने के लिए बहुत सारे लोगों से प्रेरणा मिलती है. कविता के अनुसार कवि को यह भाव कहाँ से मिला है कि वह कोई भी कार्य बड़ी आसानी से पूर्ण कर सकता है और उसे अपार संभावनाएं नजर आने लगी है?[29]

1. कवि को यह प्रेरणा अपने गुरु से मिली है
2. कवि को यह प्रेरणा कविता से मिली है
3. कवि को यह प्रेरणा अपने हृदय से मिली है
4. कवि को यह प्रेरणा जनता पाठकों से मिली है

प्र.30. हर कविता का एक केंद्रीय भाव होता है और वो हमें किसी एक प्रकार के भाव का अनुभव कराता है, जब आपने इस कविता को पढ़ा तो आपको किसकिन भावों का अहसास हुआ ?[30]

1. उत्साह और आत्मविश्वास का भाव
2. अजनबीपन का भाव
3. कर्म और प्रेरणा का भाव
4. जीवन की उलझनों का भाव

भक्तिन अच्छी है, यह कहना कठिन होगा, क्योंकि उसमें दुर्गुणों का अभाव नहीं। वह सत्यवादी हरिश्चंद्र नहीं बन सकती ,पर 'नरो वा कुंजरो वा' कहने में भी विश्वास नहीं करती। मेरे इधर -उधर पड़े रुपए पैसे, भंडार- घर की किसी मटकी में कैसे अंतरहित हो जाते हैं, यह रहस्य भी भक्तिन जानती है। पर, उस संबंध में किसी के संकेत करते ही वह उसे शास्त्रार्थ के लिए चुनौती दे डालती है, जिसको स्वीकार कर लेना किसी तर्क- शिरोमणि के लिए संभव नहीं। यह उसका अपना घर ठहरा, रुपया- पैसा जो इधर- उधर पड़ा देखा, संभाल कर रख दिया यह क्या चोरी है। इसके जीवन का परम कर्तव्य मुझे प्रसन्न रखना है। इस बात से मुझे क्रोध आ सकता है, उसे बदल कर इधर-उधर करके बताना, क्या झूठ है। इतनी चोरी और इतना झूठ तो धर्मराज महाराज में भी होगा, नहीं तो वे भगवान जी को कैसे प्रसन्न रख सकते और संसार को कैसे चला सकते।

प्र.31. लेखिका ने 'नरो वा कुंजरो वा' वाक्यांश किस संदर्भ में कहा था?[31]

1. महाभारत का प्रसंग बताने के लिए
2. भक्तिन के चरित्र के विषय में बताने के लिए
3. नर और कुंजर का अर्थ स्पष्ट करने के लिए

---

[27] 1
[28] 4
[29] 3
[30] 1
[31] 2

4. मनुष्य और देवता में अंतर बताने के लिए

प्र.32. भक्तिन द्वारा भंडार घर की मटकी में छिपा कर रखे रुपयों को चोरी न मानने के पीछे क्या तर्क दिया गया?[32]

1. यह रुपयों का एक स्थान पर संचयन करना है
2. यह रुपयों के अपव्यय को रोकना है
3. यह आपातकाल के लिए बचाई गई राशि है
4. यह भक्तिन की स्वयं की कमाई है

प्र.33. लेखिका के क्रोध से बचने के लिए भक्तिन क्या करती थी?[33]

1. बात को सीधे-सीधे बता देती थी
2. बात को इधर-उधर करके बताती थी
3. बात को छिपाकर रखती थी
4. बात ही नहीं करती थी

प्र.34. भक्तिन के जीवन का परम कर्तव्य किसे माना गया है ?[34]

1. अपना जीवन सुधारना
2. लेखिका को प्रसन्न रखना
3. चोरी करना
4. लेखिका का विरोध करना

प्र.35. भक्तिन के शास्त्रार्थ को स्वीकार करना किसके लिए संभव नहीं था?[35]

1. तर्क शिरोमणि के लिए
2. धर्मराज के लिए
3. लेखिका के लिए
4. भगवान के लिए

भक्तिन और मेरे बीच में सेवक- स्वामी का संबंध है, यह कहना कठिन है, क्योंकि ऐसा कोई स्वामी नहीं हो सकता, जो इच्छा होने पर भी सेवक को अपनी सेवा से हटा न सके और ऐसा कोई सेवक भी नहीं सुना गया, जो स्वामी के चले जाने का आदेश पाकर अवज्ञा से हँस दे। भक्तिन को नौकर कहना उतना ही असंगत है, जितना अपने घर में बारी-बारी से आने जाने वाले अंधेरे- उजाले और आंगन में फूलने वाले गुलाब और आम को सेवक मानना । वे जिस प्रकार एक अस्तित्व रखते हैं, जिसे सार्थकता देने के लिए ही हमें सुख- दुख देते हैं, उसी प्रकार भक्तिन का स्वतंत्र व्यक्तित्व अपने विकास के परिचय के लिए ही मेरे जीवन को घेरे हुए है।

प्र.36. सेवक एवं स्वामी का संबंध किन-किन के बीच था ?[36]

1. लेखिका एवम विमाता के बीच
2. लेखिका एवं भक्तिन के बीच
3. लेखिका एवं माली के बीच
4. भक्तिन एवं अजिया ससुर के बीच

---

[32] 1
[33] 2
[34] 2
[35] 1
[36] 2

प्र.37. सेवक-स्वामी में कौन सा समास है ?[37]

1. तत्पुरुष समास
2. कर्मधारय समास
3. बहुब्रीहि समाज
4. द्वंद्व समास

प्र.38. भक्तिन स्वामी द्वारा कभी-कभी चले जाने का आदेश पाकर भी क्या करती थी?[38]

1. झगड़ा करने लगती थी
2. अवज्ञा से हँस देती थी
3. रोने लगती थी
4. अनशन पर बैठ जाती थी

प्र.39. 'सार्थकता' शब्द से मूल शब्द एवं प्रत्यय अलग कीजिए ?[39]

1. सार्थ + कता
2. स + अर्थकता
3. सार्थक + ता
4. इनमे से कोई नहीं

प्र.40. कथन→भक्तिन स्वतंत्र व्यक्तित्व की महिला थी ।[40]

कारण→वह लेखिका को कुछ नहीं समझती थी ।

1. कथन सही है, कारण गलत
2. कथन और कारण दोनों सही है
3. कारण सही है कथन गलत
4. कथन और कारण दोनों गलत है

एक बार की बात कहता है । मित्र बाज़ार गए तो थे कोई एक मामूली चीज़ लेने पर लौटे तो एकदम बहुत से बंडल पास थे। मैने कहा-यह क्या? बोले-यह जो साथ थीं। उनका आशय था कि यह पत्नी की महिमा है। उस महिमा का मैं कायल हूँ। आदिकाल से इस विषय में पति से पत्नी की ही प्रमुखता प्रमाणित है और यह व्यक्तित्त्व का प्रश्न नहीं, स्त्रीत्व का प्रश्न है ।स्त्री माया न जोडे, तो क्या मै जोडूँ? फिर भी सच सच है और वह यह कि इस बात में पत्नी की ओट ली जाती है । मूल में एक और तत्व की महिमा सविशेष है। वह तत्त्व है मनीबैग, अर्थातपैसे की गरमी या एनर्जी। पैसा पावर है। पर उसके सबूत में आस-पास माल-टाल न जमा हो तो क्या वह खाक पावर है! पैसे को देखने के लिए बैंक हिसाब देखिए, पर माल-असबाब, मकान-कोठीतो अनदेखे भी दीखते हैं ।पैसे की उस 'पर्चेजिंग पावर' के प्रयोग में ही पावर का रसहै। लेकिन नहीं । लोग संयमी भी होते हैं। वे फ़िजूल सामान को फ़िजूल समझते हैं। वे पैसाबहाते नहीं हैं और बुद्धिमान होते हैं। बुद्धि और संयम पूर्वक वे पैसे को जोडते जाते हैं, जोडते जाते हैं। वे पैसे की पावर को इतना निश्चय समझते हैं कि उसके प्रयोग कीपरीक्षा उन्हें दरकार नहीं है। बस खुद पैसे से जुडा होने पर उनका मन गर्व से भरा-फूला रहता है।

प्र.41. लोगों के मन में धन जोड़ने के प्रति कैसी धारणा होती है?[41]

---

[37] 4
[38] 2
[39] 3
[40] 1
[41] 1

1. स्त्री ही जिम्मेदार होती है ।
2. स्त्री जिम्मेदार नहीं होती।
3. पुरुष जिम्मेदार होते हैं।
4. पुरुष जिम्मेदार नहीं होते।

प्र.42. बाजारवाद का प्रमुख कारण क्या है?[42]

1. मनीबैग
2. मनी का न होना
3. इच्छाओं का होना
4. इच्छाओं का न होना

प्र.43. वास्तविक रूप में पावर किसे बताया गया है?[43]

1. माल और असबाब
2. बैंक हिसाब
3. मकान - कोठी
4. पैसे को

प्र.44. पैसों के प्रति कुछ लोगों का स्वभाव कैसा होता है ?[44]

1. संयमी स्वभाव
2. असंयमी प्रभाव
3. खर्चीला स्वभाव
4. फिजूलखर्ची स्वभाव

प्र.45. पैसे की पावर का रस किस में है?[45]

1. संयमी लोगों में
2. पर्चेजिंग पावर में
3. माल और असबाब में
4. बुद्धिमान लोगों में

बाजार में एक जादू है। वह जादू आँख की राह काम करताहै। वह रूप का जादू है जैसे चुंबक का जादू लोहे पर ही चलता है, वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा है। जेब भरी हो. और मन खाली हो, ऐसी हालत में जादू का असर खूब होता हैं।जेब खाली पर मन भरा न हो तो भी जादू चल जाएगा। मन खाली है तो बाजार की अनेकानेक चीजोंका निमन्त्रण उस तक पहुँच जाएगा। कहीं उस वक्त जेब भरी हो तब तो फिर वह मन किसकी माननेवाला है। मालूम होता है यह भी ले वह भी लें। सभी सामान जरूरी और आराम को बढ़ाने वालामालूम होता है। यह भीलूँ वह भीलूँ , सभी समान जरूरी और आराम को बढ़ाने वाला मालूम होताहै। पर यह सब जादू का असर है। जादू की सवारी उतरी कि पता चलता है किफैंसी चीजों की बहुतायत आराम में मदद नहीं देती, बल्कि खललही डालती है। थोड़ी देर को स्वाभिमान को जरूरसेंक मिल जाता है पर इससे अभिमान की गिल्टी को और खुराकही मिलती है जकड़ रेशमी डोरी की हो तो मुलायम रेशम के स्पर्श के कारण क्या वह जकड़ कम होगी?

---

[42] 1
[43] 4
[44] 3
[45] 2

प्र.46. प्रस्तुतगद्यांश के लेखक और पाठ का क्या नाम है?[46]

1. धर्मवीर भारती- काले मेघा पानी दे
2. महादेवी वर्मा - भक्तिन
3. जैनेंद्र कुमार - बाज़ार दर्शन
4. फणीश्वर नाथ रेणु पहलवान की ढोलक

प्र.47. बाज़ार के जादू के आकर्षण की तुलना किससे की गई?[47]

1. धन से
2. चुंबक से
3. रेशमी डोरी से
4. सवारी से

प्र.48. बाज़ार का जादू उतरने पर क्या पता चलता है?[48]

1. आकर्षक चीजें उपयोगी होती हैं
2. आकर्षित करने वाली चीजें हमारे जीवन में महत्त्व नहीं रखती हैं
3. आकर्षित करने वाली चीजें स्वाभिमान को बचाती हैं
4. आकर्षण ही व्यक्ति को जीना सिखाता है।

प्र.49. गद्यांश के अनुसार, बाज़ारवाद को बढ़ावा कौन देताहै?[49]

1. मन का खालीपन
2. मन का भरा होना
3. जेब का खालीपन
4. धन का अधिक होना

प्र.50. लेखक के अनुसार, बाज़ार के जादू की क्या मर्यादाहै?[50]

1. वह केवल उन लोगों पर असर करता है, जिनके मन खालीहोते हैं
2. वह केवल उन लोगों पर असर करता है, जो वस्तु खरीदने आते हैं
3. वह केवल अमीर लोगों पर असर करता है
4. वह केवल गरीब लोगों पर असर करता है

सचमुच ऐसे दिन होते जब गली-मुहल्ला, गाँव-शहर हर जगह लोग गरमी में भुन-भुन कर त्राहिमाम कर रहे होते, जेठ के दसतपा बीतकर आषाढ़ का पहला पखवारा भी बीत चुका होता, पर क्षितिज पर कहीं बादल की रेख भी नहीं दिखती होती, कुएँ सूखने लगते, नलों में एक तो बहुत कम पानी आता और आता भी तो आधी रात को भी मानो खौलता हुआ पानी हो। शहरों की तुलना में गाँव में और भी हालत खराब होती थी। जहाँ जुताई होनी चाहिए वहाँ खेतों की मिट्टी सूख कर पत्थर हो जाती, फिर उसमें पपड़ी पड़कर जमीन फटने लगती, लू ऐसी कि चलते-चलते आदमी आधे रास्ते में लू खाकर गिर पड़े। ढोर-ढंगर प्यास के मारे मरने लगते लेकिन बारिश का कहीं नाम निशान नहीं, ऐसे में पूजा-पाठ कथा-विधान सब करके लोग जब हार जाते तब अंतिम उपाय के रूप में निकलती यह इंदर सेना। वर्षा के बादलों के स्वामी हैं इंद्र, और इंद्र की सेना टोली बाँधकर कीचड़ में लथपथ निकलती, पुकारते हुए मेघों को, पानी माँगते हुए प्यासे गलों और सूखे खेतों के लिए।

---

[46] 3
[47] 2
[48] 2
[49] 1
[50] 1

प्र.51. लोगों की परेशानी का क्या कारण था?[51]

1. कुओं का पानी सूख रहा होता था।
2. नलों में पानी नहीं आता था।
3. नलों का पानी बेहद गरम होता था
4. उपर्युक्त सभी

प्र.52. गाँव में लोगों की क्या दशा होती थी ?[52]

1. गाँव में बारिश न होने से हालत अधिक खराब होती थी।
2. खेतों में जहाँ जुताई होनी चाहिए, वहाँ की मिट्टी सूखकर पत्थर बन जाती थी,पपड़ी पड़ जाती थी और जमीन फटने लगती थी।
3. लू के कारण लोग चलते-चलते गिर जाते थे।
4. उपर्युक्त सभी

प्र.53. गाँव वाले बारिश के लिए क्या उपाय करते थे?[53]

1. गाँव वाले बारिश के देवता इंद्र से प्रार्थना करते थे।
2. वे कहीं पूजा-पाठ करते थे तो कहीं कथा-कीर्तन करते थे।
3. इन सबमें विफल होने के बाद इंदर सेना कीचड़ व पानी में लथपथ होकर वर्षा की गुहार लगाती थी।
4. उपर्युक्त सभी

प्र.54. शहरों की तुलना में गाँव में और भी हालत खराब क्यों होती थी?[54]

1. गाँवों में पानी कुछ कम बरसता है
2. गाँव के लोग अनपढ़ होते हैं
3. गाँवों में जीवन खेती व पशुओं पर निर्भर होने के कारण पानी सर्वप्रथम आवश्यकता है
4. गाँवों की हालत खराब नहीं होती है

प्र.55. 'त्राहिमाम्' शब्द का अर्थ है→[55]

1. सबको भगाओ
2. दुःख दूर करो
3. मेरी रक्षा करो
4. मुझ पर दया करो

हो जाए ना पथ में रात कहीं
मंज़िल भी तो है दूर नहीं
यह सोच थका दिन का पंथी
भी जल्दी जल्दी चलता है
दिन जल्दी जल्दी ढलता है
बच्चे प्रत्याशा में होंगे
नीडों से झांक रहे होंगे
यह ध्यान परों में चिड़ियों के

---

[51] 4
[52] 4
[53] 4
[54] 3
[55] 3

भरता कितनी चंचलता है
दिन जल्दी जल्दी ढलता है।

प्र.56. उपरोक्त काव्यांश किस संग्रह से लिया गया है→[56]

1. निशा निमंत्रण
2. मधुबाला
3. बसेरे से दूर
4. आरती और अंगारे

प्र.57. कवि को किस बात का डर है?[57]

1. कहीं सूर्योदय ना हो जाए
2. कहीं मंजिल दूर ना चली जाए
3. कहीं रास्ते में रात्रि ना हो जाए
4. कहीं उसकी प्रतीक्षा करने वाला चला ना जाए

प्र.58. 'पंथी' का समानार्थी शब्द क्या नहीं है?[58]

1. बटोही
2. पथिक
3. यात्री
4. पत्र व्यवहार

प्र.59. दिन 'जल्दी-जल्दी' ढलता है, पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?[59]

1. पुनरुक्ति प्रकाश
2. यमक
3. रूपक
4. उपमा

प्र.60. पथिक की चाल शाम ढलते ढलते तेज हो जाती है क्योंकि→[60]

1. उस भविष्य की योजना बनानी है।
2. दिन भर के कार्य से वह थक चुका है ।
3. घर पर कोई प्रतीक्षारत है।
4. बाहर चारों ओर शत्रु हैं ।

प्र.61. 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता में किसकी पीड़ा का चित्रण किया गया है ? [61]

1. मीडिया की
2. दूरदर्शन की

---

[56] 1
[57] 3
[58] 4
[59] 1
[60] 3
[61] 4

3. शक्तिवान की
4. शारीरिक चुनौती झेल रहे व्यक्तियों की

प्र.62. 'हम समर्थ शक्तिवान' इस पंक्ति में समर्थ शक्तिवान शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुए हैं ?[62]

1. कवियों के लिए प्रयुक्त हुए है
2. धनवान लोगों के लिए प्रयुक्त हुए है
3. मीडिया -दूरदर्शन के लिए प्रयुक्त हुए है
4. शारीरिक रूप से स्वस्थ लोगों के लिए प्रयुक्त हुए हैं

प्र.63. 'थोड़ी कोशिश करिए' यहाँ किसे कोशिश करने के लिए कहा जा रहा है ?[63]

1. अपाहिज को
2. मीडिया को
3. प्रश्नकर्ता को
4. दर्शकों को

प्र.64. 'फूली हुई आँख की बड़ी तस्वीर' इस पंक्ति में कौन-सा बिम्ब है ?[64]

1. श्रव्य बिम्ब
2. दृश्य बिम्ब
3. घ्राण बिम्ब
4. स्पर्श बिम्ब

प्र.65. 'हमें दोनों एक साथ रुलाने हैं' इस पंक्ति में किन दोनों की बात की गयी है ?[65]

1. प्रश्नकर्ता और कैमरामैन की
2. कार्यक्रम संचालक एवं अपाहिज़ की
3. अपाहिज़ एवं दर्शक की
4. अपाहिज़ एवं प्रश्नकर्ता की

प्र.66. कवि खुद के लिए दंड विधान क्यों चाहते हैं?[66]

1. ताकि वह अकेले जीना सीख सके
2. सभी के साथ जीना सीख सकें
3. कुछ तकलीफ में जीना चाहते हैं
4. सांसारिक बंधनों से मुक्त होना चाहते हैं

प्र.67. कवि की आत्मा कैसी हो गई है?[67]

1. सशक्त
2. भावशून्य

---

[62] 3
[63] 1
[64] 2
[65] 3
[66] 1
[67] 3

3. कमज़ोर, अक्षम
4. पीड़ा से भरी हुई

प्र.68. पाताली अँधेरे की गुहाओं में विवरों में-यहाँ 'विवरों' का अर्थ है-[68]

1. गुफा
2. शिविर
3. बादल के अनेक रूप से
4. बिल से

प्र.69. कवि अपने जीवन की हर उपलब्धि में किसका समर्थन अनुभव करता है?[69]

1. कविता का
2. अपने मित्र का
3. प्रिया का
4. परिवार जनों का

प्र.70. कवि अपने हृदय में उमड़े प्रेम को किसके माध्यम से प्रकट करते हैं?[70]

1. झरने के माध्यम से
2. नदी के माध्यम से
3. चाँद के माध्यम से
4. स्वीकारोक्ति के माध्यम से

प्र.71. ' सिल्वर वैडिंग ' पाठ में यशोधर बाबू की पत्नी मूलत: आधुनिक सोच की नहीं थी , फिर भी समय के साथ ढल सकने में सफल होते है , इसका कारण क्या हो सकता है ?[71]

1. संयुक्त परिवार के कारण
2. बच्चों की तरफदारी करने की मातृसुलभ मजबूरी के कारण
3. अपनी इच्छाओं को पूरा न करने के कारण
4. बच्चों के भय के कारण

प्र.72. कार्यालय में यशोधर बाबू किस पद पर कार्यरत थे ?[72]

1. सेक्शन आफिसर के पद पर
2. अवर सचिवालय सहायक
3. कनिष्ठ सचिवालय सहायक के पद पर
4. बड़ा बाबू के पद पर

प्र.73. सिल्वर-वैडिंग पाठ में किशनदा का पूरा नाम क्या है ?[73]

1. कृष्णकान्त शुक्ल

---

[68] 4
[69] 3
[70] 1
[71] 2
[72] 1
[73] 4

2. कुणाल कान्त पांडे
3. कृष्ण वीर पांडे
4. कृष्णानंद पांडे

प्र.74. असिस्टेंट ग्रेड में नियुक्त चड्ढा की कौन सी बात यशोधर पन्त जी को ' समहाउ इम्प्रॉपर ' मालूम होती है ?[74]

1. उनका आधुनिक विचार का होना
2. पन्त जी से हमेशा पैसे माँगना
3. चौड़ी मोहरीवाली पतलून पहनना
4. अत्यधिक कंजूस होना

प्र.75. यशोधर पन्त जी को घड़ी कहाँ से मिली थी ?[75]

1. शादी में मिली थी।
2. किशनदा ने उपहार में दी थी।
3. उनके एक मित्र ने दी थी ।
4. उन्होंने गोल मार्केट से खरीदी थी ।

प्र.76. यशोधर बाबू के सम्बन्ध में निम्नलिखित कौन-सी बात असत्य है ?[76]

1. यशोधर बाबू ने स्नातक तक की पढ़ाई नैनीताल से की |
2. मैट्रिक तक की पढाई अल्मोड़ा से की |
3. किशनदा ने उन्हें रसोइया बनाकर शरण दी थी |
4. पन्त जी ने रेम्जे स्कूल अल्मोड़ा से पढ़ाई की थी |

प्र.77. वैडिंग एनिवर्सरी के बारे में यशोधर पन्त जी की क्या राय थी ?[77]

1. वैडिंग एनिवर्सरी मनाना धनी लोगों का काम है
2. वैडिंग एनिवर्सरी मनाने से यश मिलता है
3. वैडिंग एनिवर्सरी सभी को मनानी चाहिए।
4. वैडिंग एनिवर्सरी बगैरह गोरे लोगों के चोंचले हैं

प्र.78. यशोधर पन्त जी का बड़ा लड़का किस विभाग में काम करता था ?[78]

1. एक थियेटर कंपनी में काम करता था |
2. एक बीमा कंपनी में काम करता था |
3. एक प्रमुख विज्ञापन संस्था में काम करता था |
4. बेरोजगार था |

प्र.79. किशनदा सुबह सैर से लौटते हुए अपने मानस-पुत्र यशोधर जी को उनके क्वार्टर में झाँककर क्या कहना न भूलते ?[79]

1. फार फ्राम द मैडिंग क्राउड

---

[74] 3
[75] 1
[76] 1
[77] 4
[78] 3
[79] 2

2. हैल्दी - वैल्दी एंड वाइज
3. समहाउ इम्प्रोपर
4. मिनिट टू मिनिट करेक्ट

प्र.80. यशोधर बाबू ने 'समहाउ इम्प्रोपर' का प्रयोग किस सन्दर्भ में नहीं किया है ?[80]

1. केक काटने की विदेशी परंपरा पर
2. घर में गैस, फ्रिज के आने पर
3. अपने बड़े साले के ओछेपन पर
4. बेटी के पतलून पहनने पर

प्र.81. 'जूझ' पाठ के लेखक का क्या नाम है?[81]

1. मनोहर श्याम जोशी
2. आनंद यादव
3. एन फ्रैंक
4. प्रेमचन्द

प्र.82. पाठ के मुख्य नायक का मन किस बात के लिए तड़पता था?[82]

1. दीवाली पर पटाखा खरीदने के लिए
2. दत्ता जी राव के घर जाने के लिए
3. पाठशाला जाने के लिए
4. सिनेमा देखने के लिए

प्र.83. लेखक अपनी माँ को किसके पास चलने के लिए आग्रह करता है जो उसके दादा को पढ़ाई-लिखाई के महत्व को समझा सकें ?[83]

1. अध्यापक सौंदलगेकर
2. बाल राव
3. दत्ता जी राव
4. वसंत पाटिल

प्र.84. लेखक किस बच्चे से प्रभावित होकर पढ़ाई के सभी काम करने लगा ?[84]

1. वसंत सैनी
2. वसंत पटेल
3. वसंत पाटील
4. वसंत दत्ता

प्र.85. 'जूझ' कहानी में आनंदा के उच्चस्तरीय कवि बनने तक का सफर किस बात का प्रमाण है ?[85]

---

[80] 3
[81] 2
[82] 3
[83] 3
[84] 3
[85] 1

1. उसके परिश्रम एवं लगन का
2. पिता की बात को महत्व ना देने का
3. झूठ बोल कर पढ़ाई करने का
4. केवल अपने मन की करने का

प्र.86. लेखक का पूरा नाम क्या है ?[86]

1. डाक्टर आनंद
2. आनंद यादव
3. आनंद रतन यादव
4. इनमें से कोई नहीं

प्र.87. सौंदलगेकर किस विषय का अध्यापक था?[87]

1. अंग्रेज़ी का
2. गणित का
3. मराठी का
4. संस्कृत का

प्र.88. लेखक की माँ के अनुसार पढ़ाई की बात करने पर लेखक का पिता कैसे गुर्राता है?[88]

1. कुत्ते के समान
2. शेर के समान
3. जंगली सूअर के समान
4. चीते के समान

प्र.89. लेखक 'दादा' किसे कहकर बुलाते थे ?[89]

1. दत्ताजी को
2. पिताजी को
3. दोनों को
4. इनमें से कोई नहीं

प्र.90. किस उम्र के बच्चों के साथ बैठना आनंद को बुरा लग रहा था ?[90]

1. अपनी उम्र से बड़े
2. अपनी उम्र से छोटे
3. अपनी साथ की उम्र के
4. सभी उम्र के साथ

प्र.91. निम्न लिखित में से कौनसा कथन सत्य है?[91]

---

[86] 2
[87] 3
[88] 3
[89] 2
[90] 2
[91] 3

1. प्रिंट माध्यम जनसंचार का सबसे पुराना माध्यम है ।
2. भारत का पहला छापखाना 1556 में गोवा में स्थापित हुआ ।
3. उपरोक्त दोनों सही है ।
4. उपरोक्त में से कोई भी नहीं

प्र.92. रेडियो की विशेषता कौनसी नहीं है ?[92]

1. रेडियो में सचित्र वर्णन होता है ।
2. यह एक सस्ता और पोर्टेबल माध्यम है ।
3. यह एक श्रव्य माध्यम है ।
4. साक्षर - निरक्षरों के लिए भी उपयोगी है

प्र.93. मुद्रित माध्यम की सीमा निम्नलिखित में से है→[93]

1. खबरों की एक डेड लाइन होती ।
2. जब चाहे तब पढ़ सकते है ।
3. यह निरक्षर व्यक्ति के किसी काम का नहीं
4. उपरोक्त में से कोई भी नहीं।

प्र.94. उल्टा पिरामिड शैली में निम्न में से कौन-सा क्रम होता है ? 1. इंट्रो या मुखड़ा 2. समापन 3. बॉडी →[94]

1. 1, 2, 3
2. 3, 2, 1
3. 1, 3, 2
4. 2, 3, 1

प्र.95. उल्टा पिरामिड शैली के विषय में कौन-सा कथन सत्य है ?[95]

1. फीचर लेखन के लिए यह सबसे उपयुक्त है ।
2. इसमें सबसे महत्वपूर्ण सूचना सबसे निचले हिस्से में होती है ।
3. यह शैली लोकप्रिय नहीं है ।
4. इसका विकास अमेरिका में गृहयुद्ध के दौरान हुआ ।

प्र.96. संपादकीय के विषय में कौन-सा कथन सही नहीं है ?[96]

1. इसे अखबार की आवाज माना जाता है।
2. यह किसी के नाम के साथ नहीं छापा जाता ।
3. यह किसी घटना समस्या या मुद्दे के प्रति अपनी राय प्रकट करते है ।
4. यह पत्रकार द्वारा लिखा जाता है ।

प्र.97. समाचार लेखन के छह ककारों का सर्वाधिक उपयुक्त क्रम कौन-सा हो सकता है–[97]

---

[92] 1
[93] 4
[94] 3
[95] 4
[96] 4
[97] 1

1. क्या, कौन, कहां, कब, क्यों, कैसे
2. कौन, कहां, कब, क्यों, कैसे, क्या
3. क्या, कहां, कब, क्यों, कैसे, कौन
4. कैसे, क्या, कौन, कहां, कब, क्यों

प्र.98. हिंदी में नेट पत्रकारिता की शुरुआत किससे हुई?[98]

1. आज तक
2. बेब दुनिया
3. नयी दुनिया
4. उपरोक्त में से कोई भी नहीं

प्र.99. भारत में इंटरनेट पत्रकारिता का कौन-सा दौर चल रहा है ?[99]

1. पहला दौर
2. दूसरा दौर
3. तीसरा दौर
4. चौथा दौर

प्र.100. फीचर लेखन का कोई निश्चित ढाँचा या फार्मूला नहीं होता। यह कथन→[100]

1. असत्य है
2. सत्य है
3. अर्धसत्य है
4. संभावित है

[98] 2
[99] 2
[100] 2